दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -37 जबलपुर, शुक्रवार 07 मार्च 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

लंदन में जयशंकर को खालिस्तान समर्थकों ने घेरा, विदेश मंत्री के सामने फाड़ा तिरंगा

लंदन.(आरएनएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर की गाड़ी को लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने घेर लिया. उनमें से एक ने उनकी गाड़ी के सामने आकर तिरंगा भी फाड दिया. विदेश मंत्री इस समय लंदन में हैं. उन्होंने यहां चैथम हाउस थिंक टैंक के एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया था. कार्यक्रम के खत्म होने के बाद जैसे ही वे अपनी कार की तरफ बढ़े. वहां पहले से विरोध कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें देखकर नारेबाजी शुरू कर दी. इसके बाद एक शख्स तिरंगा लेकर उनकी कार के आगे खड़ा हो गया और रास्ता रोक लिया. इस दौरान उसने भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाडने़ जैसी शर्मनाक हरकत भी की. खालिस्तान समर्थक की तिरंगा फाडने़ की हरकत को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और गाड़ी से दूर ले गए. ये

पूरी घटना विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक के तौर पर देखी जा रही है. जब जयशंकर चैथम हाउस में पहुंचे थे, उससे पहले ही खालिस्तानी समर्थक वहां मौजूद रहे और सड़क के दूसरी ओर खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शन कर रहे थे. इसके बाद जयशंकर के बाहर आते समय सुरक्षा घेरा नहीं बढ़ाया गया. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

घटना से भारतीय समुदाय में आक्रोश है. इस घटना के बाद लंदन में भारतीयों ने विरोध जताया. लोग ब्रिटिश सरकार से मांग कर रहे हैं कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए. भारत सरकार से भी इस मुद्दे को कूटनीतिक स्तर पर उठाने की उम्मीद है. हमने विदेश मंत्री की यूके यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की फुटेज देखी है. हम अलगाववादियों व चरमपंथियों के इस छोटे समूह की भड़काऊ गतिविधियों की निंदा करते हैं. भारत ने इन अलगाववादियों के लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के दुरुपयोग की भी निंदा की. विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपेक्षा करते हैं कि यूके सरकार ऐसे मामलों में अपने कूटनीतिक दायित्वों का पालन करेगी. विदेशों में खालिस्तान समर्थक पहले भी भारत विरोधी गतिविधियां करते रहे हैं. ब्रिटेनए कनाडा व अमेरिका जैसे देशों में भारतीय दूतावासों के बाहर ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं. जिन पर भारत सरकार पहले ही विरोध जता चुकी है.

लंदन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर का बयान

'कश्मीर समस्या का हल होगा, पीओके के चोरी किए गए हिस्से की वापसी का इंतजार'

लंदन(आरएनएस)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ब्रिटेन की यात्रा पर हैं। इस बीच, लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान उनके दिए गए बयान चर्चा में है। उन्होंने कश्मीर पर एक पाक पत्रकार की बोलती भी बंद कर दी। इससे पहले एस जयशंकर पर लंदन में हमले की कोशिश की गई। एक खालिस्तानी समर्थक सुरक्षा में सेंध लगाते हुए उनकी कार की तरफ बढ़ा और पुलिस के सामने भारतीय तिरंगा फाड़ने की कोशिश की। इस दौरान कुछ अन्य खालिस्तानी समर्थक भी वहां थे, जिन्होंने

नारेबाजी की। इसी कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर भी सवाल पूछा गया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना बड़ा कदम था। दूसरा बड़ा कदम कश्मीर में विकास और आर्थिक गतिविधि और सामाजिक न्याय को बहाल करना था। वहीं कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव कराना तीसरा बड़ा कदम था।' 'अब पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला पीओके ही कश्मीर का ऐसा एकमात्र हिस्सा है, जिसका पूर्ण समाधान होना बाकी रह गया है।'

पीओके को वापस लाने पर बोले उमर अब्दुल्ला

कारगिल युद्ध के समय ही क्यों नहीं लिया, क्या हमने उन्हें कभी रोका?

जम्मू-(आरएनएस)।जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने की हालिया टिप्पणी पर कटाक्ष किया। उन्होंने इस क्षेत्र को वापस लेने के लिए केंद्र सरकार की मंशा और क्षमता पर सवाल उठाए और साथ ही जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण की ओर भी इशारा किया। विधानसभा को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विदेश मंत्री ने कहा है कि वे पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित कश्मीर के हिस्से को वापस लाएंगे। क्या हमने उन्हें कभी रोका? अगर वे इसे वापस ला सकते हैं, तो उन्हें अभी ऐसा करना चाहिए।

केंद्र को चुनौती देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने सवाल किया कि सरकार केवल पीओके पर ही ध्यान क्यों दे रही है, जबकि जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने पूछा, एक हिस्सा पाकिस्तान के पास है, लेकिन दूसरा हिस्सा चीन के पास है - कोई इस बारे में बात क्यों नहीं करता? उन्होंन सवाल किया कि कारगिल युद्ध के समय पीओके को क्यों नहीं लिया? वहीं, भाजपा विधायक एवं विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने पलटवार करते हुए तहा कि जब सरकार पीओके को वापस लेने की योजना बनाएगी तो उमर अब्दुल्ला से सलाह नहीं ली जाएगी।

पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाले विधायकों पर कटाक्ष करते हुए शर्मा ने कहा कि ऐसे मामले सदन के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। उन्होंने कहा, यह संसद का अधिकार क्षेत्र है और उन्होंने अतीत में भी इस पर काम किया है।

आयोग ने कहा मध्यप्रदेश का भविष्य है सुरक्षित हाथों में अगले पांच साल में प्रदेश के वर्तमान बजट को करेंगे दोगुना

केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाई जाए, इससे राज्यों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्यों के सशक्तिकरण में ही राष्ट्र का सशक्तिकरण है, इसलिए केन्द्रीय करों और राजस्व प्राप्तियों में राज्यों की हिस्सेदारी अर्थात् अनुदान बढ़ाया जाना चाहिए। राज्य अपनी क्षमता और सीमित संसाधनों से ही अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए काम करते हैं। केन्द्र सरकार से अधिक वित्तीय अनुदान मिलने से राज्य अपने दीर्घकालीन लक्ष्यों को अल्पकाल में ही प्राप्त कर सकेंगे। विकसित भारत का निर्माण, विकसित मध्यप्रदेश के बिना नहीं हो सकता, इसलिए केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत से बढ़ाकर 48 प्रतिशत तक की जाए। इससे राज्य सशक्त होंगे और राष्ट्र को विकास की

ले जाने में सहायक होंगे। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश एक बड़ा राज्य है, इसलिए इसकी जरूरतें भी बड़ी हैं। लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना ही केन्द्र और राज्य सरकारों का लक्ष्य है। केन्द्र और राज्यों के बेहतर तालमेल और आपसी सामंजस्य से यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आयोग के राज्य के दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता का जिक्र कर वित्त आयोग से प्रदेश की अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक प्रगतिशील राज्य है। प्रदेश कृषि, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, नगरीय विकास और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन क्षेत्रों में और अधिक विकास के लिए केन्द्र सरकार से और अधिक वित्तीय सहयोग/अनुदान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में मध्यप्रदेश को भी योगदान देना है। हम विकसित मध्यप्रदेश का संकल्प पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी हमारा बजट करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रूपए है।

पीएम मोदी उत्तराखंड के हर्षिल पहुंचे, मुखीमठ में की मां गंगा की पूजा

उत्तराखंड- (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड के मुखवा में मां गंगा के शीतकालीन निवास स्थान पर पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी थे, जिन्होंने देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुखवा में बर्फ से ढके पहाड़ों की अद्भुत सुंदरता का भी आनंद लिया और वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया। राज्य के मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा मुखीमठ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने और राज्य की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। सीएम धामी ने कहा, मुखवा में

इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनकर हम सभी गौरवान्वित हैं। समस्त प्रदेशवासियों की ओर से यशस्वी प्रधानमंत्री जी का देवभूमि उत्तराखंड के शीतकालीन प्रवास पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। प्रधानमंत्री मोदी ट्रेक और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाएंगे और हरसिल में एक सार्वजनिक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। अपने दौरे से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य में पर्यटन को विकसित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पीएम मोदी ने %एक्स% पर अपने पोस्ट में लिखा, देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे

बिहार- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत बुधवार को पांच दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे और इस दौरान वह कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे तथा अन्य कार्यक्रमों में भाग लेंगे। एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी।

पदाधिकारी ने बताया कि भागवत विमान से पटना पहुंचे और मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हो गए। मुजफ्फरपुर में वह रात्रि विश्राम करेंगे

यूनियन कार्बाइड के कचरे को भस्म करने के दूसरे दौर के परीक्षण की प्रक्रिया शुरू, 10 टन कचरा होगा खाक

भोपाल (आरएनएस)। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के एक निपटान संयंत्र में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने के कचरे को जलाने के दूसरे दौर के परीक्षण की प्रक्रिया बुधवार देर रात शुरू हो गई तथा इस चरण में अपशिष्ट की 10 टन की एक और खेप को भस्म किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भोपाल में बंद पड़े यूनियन कार्बाइड कारखाने के 337 टन कचरे के निपटान की योजना के तहत इसे सूबे की राजधानी से करीब 250 किलोमीटर दूर पीथमपुर में एक निजी कंपनी द्वारा संचालित अपशिष्ट निपटान संयंत्र में दो जनवरी को पहुंचाया गया था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक इस कचरे के निपटान का परीक्षण सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए तीन दौर में किया जाना है और अदालत के सामने तीनों परीक्षणों की रिपोर्ट 27 मार्च को पेश की जानी है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने संवाददाताओं को बताया, ''पीथमपुर के अपशिष्ट निपटान संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने के कचरे को परीक्षण के तौर पर भस्म करने के दूसरे दौर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भस्मक में कचरा डाले जाने से पहले इसे करीब 12 घंटे तक खाली चलाकर तय तापमान तक पहुंचाया जाएगा।''

कोर्ट में पेश न होने पर राहुल गांधी पर 200 रुपये का जुर्माना, 14 अप्रैल को पेश होने का आदेश

नई दिल्ली-(आरएनएस)। राहुल गांधी के आज अदालत में पेश होने की उम्मीद थी, लेकिन उनके वकील ने पूर्व प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए छूट की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में कहा गया है कि विपक्ष के नेता के रूप में गांधी ने एक विदेशी गणमान्य व्यक्ति के साथ पूर्व-निर्धारित बैठक की, जिससे उनके लिए अदालती कार्यवाही में भाग लेना असंभव हो गया। दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने उनके छूट अनुरोध को खारिज कर दिया और गैर-उपस्थिति के लिए 200 रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने अब 14 अप्रैल के लिए सुनवाई पुनर्निर्धारित की है और गांधी को बिना किसी बहाना के पेश होने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच आया है,

औरंगजेब विवाद पर विधानसभा में दहाड़े एकनाथ शिंदे

जो संभाजी का अपमान करेगा उसे छोड़ेंगे नहीं

महाराष्ट्र -(आरएनएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सपा विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया है। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगा। यह तो केवल पहला कदम है। उन्हें सिर्फ यह संकेत दिया गया है कि अगर उन्होंने दोबारा ऐसा कुछ किया तो

महाराष्ट्र उन्हें माफ नहीं करेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मुगल बादशाह औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को बुधवार को मौजूदा बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित कर दिया। आजमी की टिप्पणी के खिलाफ बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा में प्रस्ताव लाया गया। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सदन में कहा कि आजमी के आपत्तिजनक बयान से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है, जिसके चलते इस सत्र के लिए उनकी सदस्यता निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे स्पीकर ने पारित कर दिया।

उदयनिधि को सुप्रीम राहत; सनातन धर्म संबंधी बयान को लेकर दर्ज नहीं होगी नई प्राथमिकी

तमिलनाडु (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्देश दिया कि सनातन धर्म पर उनकी टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ अदालत की अनुमति के बिना कोई और मामला दर्ज नहीं किया जाएगा। यह आदेश स्टालिन की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें उन्होंने विभिन्न राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को एक करने की मांग की थी। उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में अपनी टिप्पणियों से सनातन धर्म की तुलना %डेंगू और

मलेरिया% जैसी बीमारियों से की थी और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने अपने बयान का बचाव करते हुए तर्क दिया कि वह किसी धर्म को निशाना बनाने के बजाय जाति-आधारित भेदभाव और सामाजिक अन्याय की आलोचना कर रहे थे।

भोपाल में फर्जी कॉल सेंटर वाले से ली 5 लाख की रिश्वत, टीआई सहित चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

भोपाल (आरएनएस)। फर्जी कॉल सेंटर से देशभर में लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह को बचाने की कोशिश करने के आरोप में भोपाल के ऐशबाग थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मी निलंबित किए गए हैं। वहीं, अधिकारियों के निर्देश के बाद पुलिस ने एक एएसआई के घर पर छापा मारकर रिश्वत के पांच लाख रुपये भी बरामद किए हैं। एएसआई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच में सामने आया है कि ऐशबाग के प्रभात चौराहे पर संचालित फर्जी कॉल सेंटर का मास्टर माइंड अफजल का साला टीकमगढ़ निवासी मोईन खान निकला है, लेकिन उसे ऐशबाग थाना प्रभारी आरोपित बनाने के

लिए तैयार नहीं थे। वह अपने थाने के पूर्व में लाइन हाजिर किए गए एएसआई पवन रघुवंशी और तीन पुलिसकर्मियों के साथ सांठगांठ कर उसे बचाने में लगे थे।

एएसआई पवन ने 25 लाख रुपये में सौदा तय किया था, जिसकी पहली किस्त देने के लिए आरोपित भोपाल आया तो क्राइम ब्रांच और एसीपी जहांगीराबाद की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में एएसआई के घर पर पुलिस ने छापा मारकर रिश्वत के पांच लाख रुपये बरामद की। मामला सामने आने के बाद पुलिस कमिश्नर ने टीआई समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

तीन लड़कियों ने दर्ज कराई थी शिकायत कॉल सेंटर में काम करने वाली तीन लड़कियों ने थाने आकर पुलिस में शिकायत की थी कि उन्हें वेतन नहीं दिया जा रहा है। इस पर ऐशबाग पुलिस ने कॉल सेंटर में जाकर पड़ताल की तो 25 सिम का एक बाक्स मिला था। पुलिस की जांच में पता चला कि कॉल सेंटर संचालक अफजल खान के मोबाइल नंबर और बैंक खाते का उपयोग महाराष्ट्र में की गई साइबर ठगी में किया गया है। इस पर पुलिस ने कॉल सेंटर में दबिश दी और अफजल के बेटे को पकड़ा पर बाद में छोड़ दिया। पुलिस उच्चाधिकारियों ने निर्देशित किया तो ऐशबाग पुलिस ने कॉल सेंटर संचालक और उसकी बेटी पर एफआईआर दर्ज कर सोमवार को अफजल खान को गिरफ्तार किया गया।

बिहार में हैरान करने वाला मामला

नाइट गाउन में मिली महिला की लाश, दोनों पैरों के तलवों में ठोकी गई थीं 5-5 कील

नालंदा (आरएनएस)। बिहार के नालंदा में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव चंडी थाने क्षेत्र के चंडी-हरनौत एनएच - 471 के किनारे गांव के पास खाई में मिला। महिला की पहचान नहीं हो पाई है। महिला ने नाइट गाउन पहन रखा है और दोनों पैरों के तलवों में पांच-पांच कील मिली है। इससे आशंका जताई जा रही है कि अंधविश्वास के कारण महिला की हत्या की गई है। अभी यह साफ नहीं है कि महिला के जिंदा रहते कीलें ठोंकी गई थीं या उसके मरने के बाद ऐसा किया गया। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। हाईवे किनारे एक खेत के पास महिला का शव मिला था। अब तक पहचान नहीं हो सकती है। महिला के हाथ पर पट्टी भी बंधी है। माना जा रहा है कि महिला का इलाज भी चल रहा था। ग्रामीणों की मदद से महिला की पहचान करने की कोशिश जारी है। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

महिला को लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की बातें हो रही हैं।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोरखपुर में सौरभ बर्मन उम्र 18 वर्ष निवासी नीमखेड़ा ने सूचना दी कि वह एवं हरगोविन्द सिंह लोधी उम्र 21 वर्ष निवासी नीमखेड़ा शहपुरा हाथ पैर धोने कमरे नम्बर 17 रामपुर रामनगर वैष्णवी परिसर गये थे जहां सामने नल लगा था गोविन्द हाथ पैर धोकर बाजू में बिजली के खम्बे के पास खड़ा था वह नीचे झुककर हाथ पैर धो रहा था देखा कि हरगोविन्द लोधी खम्बे से चिपका था फिर उसने पकड़कर खींचा एवं खम्बे से अलग किया नीचे लिटा दिया हाथ पैर जकड़ गये थे कोई हरकत नहीं कर रहा था

कांग्रेस ने भीख मांगने वाले बयान पर मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला जलाकर इस्तीफा मांगा

जबलपुर। कांग्रेस के द्वारा आधार ताल में पहलाद पटेल का पुतला जलाया गया कांग्रेस के द्वारा आधार ताल बिरसा मुंडा चौक में शाम 5ः00 बजे मध्य प्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पहलाद पटेल जी का पुतला दहन कर इस्तीफा की मांग की गई क्योंकि फिलहाल पटेल के द्वारा गत दिवस बयान देकर कहा गया था कि जनता की मतदाता की भीख मांगने की आदत हो गई है इस प्रकार के अनर्गल बयान बाजी करना भारतीय जनता पार्टी का एवं भाजपा सरकार कि मंत्रियों की आदत हो गई है एवं यह फैशन बन गया है की आए दिन अनारकल बयान देना हमने इसकी घोर निंदा करते हैं पुतला दहन कार्यक्रम में चमन पासी डॉक्टर नीरज शर्मा डॉक्टर प्रमोद लाल राकेश श्रीवास्तव पप्पू केवट सोहनलाल कटारे पूरनलाल बसंत नामदेव गंगा सिंह ठाकुर संतोष लोधी विजय एसपी सिंह कल रैकवार राजू तोमर पी पटेल विजय पौराणिक राहुल गुप्ता रोशन बाड़ा एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस जन शामिल थे कांग्रेस जनों ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा जी से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव जी से मांग की है कि प्रहलाद पटेल जी को मंत्रिमंडल से हटाया जाए

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता टीकाराम कोष्टा ने कहा कि जनता को भगवान कहकर वोट मांगने वाले भाजपा सरकार के मंत्री अब महिला बुजुर्ग किसान युवा विद्यार्थी दिव्यांगों को भिखारी बता रहे हैं। जनता जनार्दन जब अपने कार्यों के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल से चुनाव में किए गए वादों को पूरा करने हेतु मांग पत्र देते हैं तो मंत्री अहंकार में उस जनता जनार्दन को भिखारी कहकर अपमानित करते हैं प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में ब्लॉक स्तरों पर मंत्री के पुतला दहन का कार्यक्रम कर विरोध प्रकट किया जा गया इसी के तहत प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीत पटवारी की आवाहन पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा द्वारा जबलपुर जिले के 13 ब्लॉकों में मध्य प्रदेश के मंत्री प्रहलाद पटेल के पुतले का दहन कराया गया । मौलाना अब्दुल कलाम ब्लॉक द्वारा दमोह नाका चौराहे पर मंत्री प्रहलाद पटेल का का पुतला दहन* का कार्यक्रम** ब्लॉक अध्यक्ष शिवकुमार चौबे सतीश उपाध्याय पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा राजेंद्र सराफ अलीम मंसूरी अभिषेक यादव रितेश अग्रवाल दिलीप साहू अतुल सोनी रविंद्र गौतम सिद्धांत जैन जय ठाकुर लखन चौबे विश्वनाथ सोनी मोनू अग्रवाल किशन कोष्टा अभिजीत परिहार संजय शर्मा यशु नीखरा राकेश चौधरी राज विश्वकर्मा आदि कांग्रेस नेता पुतला दहन कार्यक्रम में शामिल रहे।

त्रिविधा कला मंच की संगीत निशा आज

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। त्रिविधा संगीत कला मंच के तत्वावधान में वसन्तिका स्वर निशा में हिंदी और मराठी गानों को सुनकर श्रोता झूम उठे।समारोह के अतिथि सेवानिवृत अभियंता श्री प्रकाश मानके, प्रो.एच बी पालन एवं कृष्ण कुमार दुबे थे। आयोजन संयोजना श्री सुभाष दीक्षित एवं श्रीमती श्रुति दीक्षित ने की। दत्त मंदिर सभागार में आयोजित समारोह में मराठी और हिन्दी फिल्मी गीतों की बासंतिक सौंदर्य की छटा दिखी।

।मराठी गीतों का संचालन श्रीमती शिल्पा ताम्हणे एवं हिंदी गीतों का संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया। गायक कलाकार किशोर ताम्हणे, सुभाष दीक्षित, धर्मपाल विश्वकर्मा, धुव्र मुखर्जी, मयंक विश्वकर्मा, पल्लवी फाटक, दीप्ति राय,श्रुति दीक्षित,रेणु जैन, शर्मिला मुखर्जी, आभा दातार, प्रेरणा रानाडे ने सुमधुर गीतों को प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं को बांधे रखा।वाद्य वादक कलाकार मलय श्रीवास्तव,शरद त्रिपाठी,ऋषभ पटेल,मोनु यादव,एवं शशांक त्रिपाठी थे।अतिथि स्वागत किशोर ताम्हणे, मुकेश श्रीवास्तव, बेडेकर सर,शशांक दातार,संतोष नेमा एवं रानडे जी ने किया।

आज सायंकालीन एवं कल से 11 मार्च तक प्रात:कालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि रमनगरा 120 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र अंतर्गत 900 के.एल. सर्वोदय नगर उच्चस्तरीय टैंक के लीकेज सुधार व अन्य कार्य किया जाना है, जिसके चलते आज दिनांक 7 मार्च 2025 को सायंकालीन एवं दिनांक 8 मार्च से 11 मार्च 2025 तक प्रात:कालीन व सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्य के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', एम.आई.सी. सदस्य एवं जल प्रभारी दामोदर सोनी, एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने खेद व्यक्त किया है।

पश्चिम मध्य रेलवे के स्टेशन से होकर गुजरेगी

चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली के मध्य होली स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होली स्पेशल ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में गाड़ी संख्या 07709/07710 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली होली स्पेशल ट्रेन दो-दो ट्रिप चलाई जा रही है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल (जबलपुर), कटनी, मैहर, सतना स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली होली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 07709 चर्लपल्ली-दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 09 एवं 19 मार्च 2025 को चर्लपल्ली स्टेशन से दोपहर 15ः10 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन इटारसी सुबह 06ः05 बजे, पिपरिया 07ः02 बजे, नरसिंहपुर 08ः00 बजे, मदन महल 09ः50 बजे, कटनी 11ः20 बजे, मैहर 12ः20 बजे, सतना 13ः00 बजे पहुँचकर, अन्य स्टेशनों से होते हुए रात्रि 23ः55 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। (02 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 07710 दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन दिनांक 11 एवं 21 मार्च 2025 को दोपहर 15ः15 बजे दानापुर स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन सतना मध्य रात्रि 01ः00 बजे, मैहर 01ः35 बजे, कटनी 02ः45 बजे, मदन महल भोर 04ः15 बजे, नरसिंहपुर 05ः20 बजे, पिपरिया 07ः40 बजे, इटारसी 09ः30 बजे पहुँचकर, अन्य स्टेशनों से होते हुए रात्रि 23ः45 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी। (02 ट्रिप)

ठहराव:- काज़ीपेट जंक्शन, पेद्दापल्ली, रामगुंडम, मंचेरियल, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, मदन महल (जबलपुर), कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा।

कोच संरचना:- 8 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 2 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (इकोनॉमी), 9 शयनयान श्रेणी, 1 सामान्य श्रेणी एवं 1 एसएलआरडी, 1 जनरेटर कर ।

यात्री सुविधा का लाभ लेते हुए होली स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन से प्राप्त कर सकते है।

विकसित भारत के लिए विज्ञान में नवाचार, गुणवत्ता तथा मानकों का समन्वय आवश्यक - प्रो गौतम

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय युवाओं में प्रतिभा और क्षमताओं की कमी नहीं है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी बड़ी टेक कंपनियों में भारतीय मूल के वैज्ञानिक और इंजीनियर अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत देश में तकनीकी नवाचार को निरंतर बढ़ावा मिला है, जिससे युवा डिजिटल स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में आगे आ रहे हैं। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को अधिक व्यावहारिक और अनुसंधान आधारित बनाना जरूरी है, जिससे युवा वैज्ञानिक सोच को विकसित कर सकें, साथ ही तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, सेमीकंडक्टर और सतत उर्जा जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण देकर ही हम विकास की नयी गाथा लिख सकते हैं। भारत के विकसित राष्ट्र बनने की संकल्पना मात्र आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, अपितु यह वैज्ञानिक नवाचार, तकनीकी सशक्तीकरण और जागरूकता युवा शक्ति के सक्रिय योगदान पर भी निर्भर है। निसंदेह विज्ञान न केवल युवाओं को नेतृत्व प्रदान करता है, यह उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय उन्नति के लिए एक सशक्त माध्यम भी बनाता है। उक्त बातें नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नालॉजी कम्युनिकेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया और मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी के निर्देशन में हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कही। मुख्य वक्ता केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रो एसपी गौतम, रादुविवि के कुलगुरू डॉ राजेश वर्मा और डीन, फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंस, प्रो सुरेंद्र सिंह थे। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इस कार्यक्रम में रांगोली, पोस्टर एवं मॉडल्स प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्रों ने सहभागिता दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के शासी निकाय अध्यक्ष एड अशोक गुप्ता, विद्या परिषद के सचिव एड जयेश राठौर, प्राचार्य डॉ सुलक्षणा त्रिपाठी, उप प्राचार्य डॉ तृप्ति श्रीवास्तव, प्रो मीरा रामरख्यानि, डॉ रेणु पाठक, डॉ अनूप तिवारी, डॉ पुनीत दुग्गल, डॉ अलका श्रीवास्तव, वर्षा दुबे, डॉ रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ निधि माथुर, निवेदिता यादव, ज्योति शर्मा, नितिन साहू, शास्वत गुप्ता, प्रेमलता चौबे, सुधा चौधरी, विजय दहायत सहित स्टुडेंट्स उपस्थित रहे।

मुस्लिम विकास परिषद ने कराया प्रथम रोज़ा अफ्तार, द्वितीय अफ्तार शीध्र

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मुस्लिम धर्मावलंबियो के पवित्र माह रमजान के चलते मप्र मुस्लिम विकास परिषद की जबलपुर यूनिट द्वारा रानीताल ईदगाह में प्रथम रोज़ा अफ्तार का आयोजन किया गया। द्वितीय रोजा अफ्तार श्रीद्ध ही आयोजित किया जायेगा। परिषद के जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट रियाज राइन व अन्ना जी के संयोजन में तथा जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, इस्तियाक अंसारी, मामूर गुड्डू, एड. अकबर उस्मानी

की अतिथि में आयोजित प्रथम अफ्तार में सैकड़ों रोज़ेदारों ने सामुहिक रूप से अफ्तार कर मगरिब की नमाज अदा कर देश में अमन शांति, खुशहाली और तरक्की की दुआएं की।

रोज़ा अफ्तार में मुस्लिम विकास परिषद के अशफाक आरिफ, गुलाम साबरी, इरफान कुरैशी, फैजान कुरैशी, मिर्जा जावेद, जावेद राइन, शाहिद कुरैशी, तारिक कुरैशी, जिया उल हक अंसारी, इकबाल चांद खां, अशरफ कुरैशी, मेहताब अली, लियाकत जावेद, खालिद कुरैशी, डॉ. निसार अंसारी, मुज्जफर कुरैशी, साजिद काजी, गुलाम किबरिया, अलीम मंसूरी, एड. निसार अंसारी, अहमद रज़ा, इस्लाम अली, नोशाद खलीफा, बब्लू कुरैशी, शेख निजामी, ताहिर खोकर, हाशिम राजा, अब्दुल बाकी खान, अशरफ शिराजी, मुख्तार अंसारी, मुजीब अंसारी, मुनीर अंसारी, निसार मंसूरी, सोहेल खान, असीम राजा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर म.प्र.

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRo - 624 Date- 06/03/2025 2025_ UAD 407418_1	निर्मल चंद जैन वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर सड़क का डामलीकरण से सुधार कार्य (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 8.46	2000/- 8469/-	22.03.2025

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://.mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री,नगर पालिक,निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर म.प्र.

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://.mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRo - 626 Date- 06/03/2025 2025_ UAD 407415_1	सुभाष चंद्र बोस वार्ड अंतर्गत 09 स्थानों पर पुलिया नाली एवं सीमेंटीकरण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 7.61	2000/- 7614/-	22.03.2025
2	PRo - 626 Date- 06/03/2025 2025_ UAD 407415_2	सुभाष चंद्र बोस वार्ड अंतर्गत प्रहलाद राजपूत के घर से विश्वकर्मा जी के घर तक नाली निर्माण कार्य (महापौर अनुशंसा)	04 माह 8.38	2000/- 8384	22.03.2025
3	PRo - 626 Date- 06/03/2025 2025_ UAD 407415_3	सुभाष चंद्र बोस वार्ड अंतर्गत जितू ठाकुर के घर से काली मंदिर तक एम-30 सड़क सीमेंटीकरण कार्य (महापौर अनुशंसा)	04 माह 8.47	2000/- 8474	22.03.2025

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://.mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री,नगर पालिक,निगम जबलपुर

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने मझोली और कुरई में नए आउटलेट खोलकर विकास को गति दी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मझोली और कुरई, मध्य प्रदेश- उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) ने मझोली (जबलपुर) और कुरई (सिवनी), मध्य प्रदेश में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। इन लॉन्च के साथ, बैंक के अब मध्य प्रदेश में 53 और देश भर में 1076 बैंकिंग आउटलेट हैं। इन स्थानों के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सूट से लाभ होगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, मझोली और कुरई में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन मध्य प्रदेश में वित्तीय पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अपनी समृद्ध विरासत और संपन्न समुदायों के लिए जाना जाता है। इन ऐतिहासिक और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने पदचिह्न का विस्तार करके, हमारा लक्ष्य क्षेत्रीय विकास के साथ वित्तीय पहुंच को एकीकृत करना है, जिससे व्यक्तियों और उद्यमों के लिए समान रूप से अवसर पैदा हों... ये बैंकिंग आउटलेट वंचित या कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को व्यवसाय विकास सेवाओं के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेंगे, जिनकी वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच है। समूह ऋण के जेएलजी मॉडल में एक सहकर्मी-गारंटी ऋण मॉडल शामिल है जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत आधार पर संपार्श्विक या सुरक्षा प्रदान किए बिना ऋण लेने में सक्षम बनाता है, जबकि समूह के भीतर आपसी समर्थन के माध्यम से ऋण अनुशासन को बढ़ावा देता है और उनके ऋणों का शीघ्र पुनर्भुगतान करता है। ग्राहक बैंकिंग आउटलेट, माइक्रो एटीएम (बैंकिंग घंटों के दौरान), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और कॉल सेंटर जैसे विभिन्न चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बिल्कुल नए मैनुअल ट्रांसमिशन ग्रेड में लेजेंडर 4X4 पेश किया

बैंगलोर- शानदार प्रदर्शनए रोमांचकारी और स्टाइलिश एसयूवी की बढ़ती मांग की पूर्ति के लिएए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टोयोटा लेजेंडर 4ग्4 का मैनुअल ट्रांसमिशन ;एमटीद्ध वैरिएंट ;रूपांतरद्ध पेश किया। रोमांच चाहने वाले ड्राइविंग के उत्साहियों के लिए डिज़ाइन किया गया यह नया वैरिएंट पावरए लग्जरी और अत्याधुनिक तकनीक का एक बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हुए जुड़ाव और नियंत्रण को बेहतर करता है।

किसी भी इलाके में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयारए लेजेंडर ने 2021 में भारत में अपनी शुरुआत कीए जिसमें उन्नत 4ग्4 क्षमता हैंए जो इसे ऑफरोड रोमांच के लिए आदर्श साथी बनाती हैं। लेजेंडर 4ग्4 एमटी के केंद्र में जाना.माना 2ण्8लीटर डीजल इंजन हैए जिसे बेजोड़ पावर डिलीवरी के लिए इंजीनियर किया गया है। 204 पीएस की पावर और 420 एनएम का टॉर्क पैदा करने वाला यह पावरट्रेन उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अपनी ड्राइव पर पूर्ण नियंत्रण पसंद करते हैं।

6.स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन सुस्पष्टता बढ़ाता हैए जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्साही लोग चुनौतीपूर्ण इलाकों में आसानी से नेविगेट कर सकते हैं और सहज गियर शिफ्ट के रोमांच का आनंद ले सकते हैं। टोयोटा की उन्नत 4ग्4 तकनीक चालकों को विविध परिदृश्यों से निपटने के लिए और अधिक सशक्त बनाती है

भोपाल -प्रदेश में नगरीय निकायों को अपनी आय में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी विभिन्न बैठकों में नगर निगम महापौर और स्थानीय निकायों के अध्यक्षों को अपनी निकायों को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर बनाने के लिये निर्देश दिये हैं। इस वर्ष राजस्व आय में श्रेष्ठ कार्य करने वाली स्थानीय निकायों को पुरस्कृत करने के?लिये विभागीय बजट में 29 करोड़ 4 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

जीआईएस भोपाल से ग्लोबल हुआ प्रदेश का स्टार्ट-अप इको सिस्टम-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीआईएस-भोपाल में देश के औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न पर काम करते हुए मध्यप्रदेश भी तेजी के साथ एक मजबूत स्टार्ट-अप हब के रूप में उभर रहा है। प्रदेश सरकार नवाचार, उद्यमिता और रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए युवा उद्यमियों की आकांक्षाओं के अनुकूल स्टार्ट-अप कल्चर को विकसित करने की दिशा में प्रभावी रणनीति अपना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रयास मध्यप्रदेश को स्टार्ट-अप और नवाचार का केंद्र बनाना है, जहां युवा उद्यमियों के आइडियाज को सफल व्यवसायों में बदलने के लिए अनुकूल माहौल और पूरा सहयोग मिले। जीआईएस-भोपाल में आयोजित 'फ्यूचर-फ्रंटियर = स्टार्ट-अप पिचिंग' सेशन नें प्रदेश के स्टार्ट-अप्स इकोसिस्टम को पंख दे कर ग्लोबल बना दिया है।

आधुनिक तकनीक के इस युग में देश के स्टार्ट-अप जगत में मध्यप्रदेश बहुत तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज चुका है। जीआईएस-भोपाल में 20 से अधिक यूनिकॉर्न के संस्थापकों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है। स्टार्ट-अप पर फोकस्ड सेशन 'फ्यूचर-फ्रंटियर = स्टार्ट-अप पिचिंग' में शामिल होने के लिए कुल 180 स्टार्ट-अप्स ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 25 हाईली पोटेंशियल स्टार्ट-अप्स ने प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों के विश्लेषण के बाद उन्हें जरूरी मार्गदर्शन और निवेश के अवसर भी मिले। इस सेशन में कुल 47 स्टार्ट-अप शामिल हुए थे। इनमें से 19 स्टार्ट-अप्स को एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट प्राप्त हुए। आईआईसीई ने 4 स्टार्ट-अप्स में रुचि दिखाई, एसजीएसआईटीएस ने 3 स्टार्ट-अप्स में, सिल्वर नीडल वेंचर्स ने 3 स्टार्ट-अप्स में, आईटीआई ग्रोथ ने 3 स्टार्ट-अप्स में, ईज़ीसीड ने 7 स्टार्ट-अप्स में, सीफंड ने 3 स्टार्ट-अप्स में, वेंचर कैटालिस्ट्स ने 10 स्टार्ट-अप्स में, वीएएसपीएल इनिशिएटिव्स ने 4 स्टार्ट-अप्स में, एआईस-आरएनटीयू ने 5 स्टार्ट-अप्स में तथा इक्वैनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स ने 5 स्टार्ट-अप्स में निवेश की अभिरुचि प्रदर्शित की।

मध्यप्रदेश में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिये महिलाओं, अनुसूचित जाति, जनजाति के उद्यमियों के स्टार्ट-अप्स को पहले निवेश पर 18 फीसदी, अधिकतम 18 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मिल रही है। अन्य स्टार्ट-अप्स को पहले निवेश पर 15 प्रतिशत सहायता, अधिकतम 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। इसके साथ इन्क्यूबेटर विस्तार के लिए 5 लाख रुपये का एक मुश्त अनुदान, स्टार्ट-अप्स के ऑफिस किराए में 50 फीसदी राशि की वापसी (तीन वर्षों तक प्रतिमाह 5,000 रुपये) की भी व्यवस्था की गई है। नीति में पेटेंट कराने पर 5 लाख रुपये तक की सहायता और पेटेंट फाइल करने की प्रक्रिया में आवश्यक सहायता का भी प्रावधान किया गया है।

मध्यप्रदेश में इस समय 4,900 से अधिक स्टार्ट-अप संचालित हो रहे हैं। इनमें से करीब 44 प्रतिशत स्टार्ट-अप्स महिलाओं द्वारा संचालित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य %स्टार्ट-अप इंडिया% के तहत पंजीकृत स्टार्ट-अप्स की संख्या को 100 प्रतिशत तक बढ़ाना और कृषि एवं खाद्य क्षेत्र में स्टार्ट-अप्स को 200 प्रतिशत तक बढ़ावा देना है। इसके लिए प्रदेश में 72 इनक्यूबेटर कार्यरत हैं और उत्पाद-आधारित स्टार्ट-अप्स को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार की स्टार्ट-अप नीति और क्रियान्वयन योजना के अंतर्गत स्टार्ट-अप्स को वित्तीय मदद, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में सहायता और नीतिगत मदद मुहैया कराई जा रही है। नई स्टार्ट-अप नीति के तहत वित्तीय अनुदान के पात्र स्टार्ट-अप्स को कुल निवेश का 18 फीसदी (अधिकतम 18 लाख रुपये) का अनुदान दिया जा रहा है।

16वें वित्त आयोग के साथ ग्रामीण एवं नगरीय निकायों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की हुई बैठक

भोपाल (आरएनएस) 16वें केंद्रीय वित्त आयोग के साथ बुधवार 5 मार्च को ग्रामीण, स्थानीय निकाय, नगरीय स्थानीय निकाय और राजनीतिक दलों के विभिन्न प्रतिनिधियों के बैठक हुई। बैठक में वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगड़िया और सदस्यों ने सभी से चर्चा की। ग्रामीण स्थानीय निकायों, नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने आयोग के समक्ष अपने विचार और सुझाव भी रखे।

बैठक में प्रदेश की नगरीय निकायों के प्रतिनिधि के रूप में चार नगर निगम के महापौर, इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सतना के महापौर श्री योगेश ताम्रकार, खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता यादव तथा भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय एवं 11 अन्य नगर पालिका तथा नगर परिषद के अध्यक्ष बैठक में उपस्थित हुए।

प्रदेश के नगरीय निकायों को दिए जा रहे अनुदान में चुकी मध्यप्रदेश में देश की सबसे अधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करती है इसलिए उसे संज्ञान में रखकर अनुदान जारी करना और शहरीकरण में जनता को सेवा प्रदाय में तकनीकी उपयोग किए जाने को प्रेरित करने हेतु पृथक से अनुदान जारी किए जाने का अनुरोध किया गया।

विभिन्न विकास कार्यों का भी किया लोकार्पण और भूमि-पूजन

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने किया मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण

भोपाल (आरएनएस) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि निरोगी काया भगवान का सबसे बड़ा आशीर्वाद है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर निर्मल पैलेस अवधपुरी में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। क्लिनिक की लागत लगभग 23 लाख रुपए है। क्लीनिक का निर्माण निरोगी काया अभियान के तहत किया गया है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि क्लीनिक पर मरीजों के लिए डायबिटीज, खून और ब्लड प्रेशर आदि की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने वार्ड 61 के रामजानकी मंदिर पार्क अवधपुरी में 7 लाख रूपये के स्लेव एवं प्लेटफार्म, अवधपुरी के टैगोर नगर, भावना परिसर फेज-1 में 4 लाख रुपए के सीसी रोड निर्माण कार्य, वार्ड 61 के इंदिरा नगर में 17 लाख रुपए लागत का सीवेज नेटवर्क कार्य तथा अवधपुरी के गोपाल नगर बी-सेक्टर में 10 लाख रुपए लागत के सीसी रोड के निर्माण का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती मधु शिवनानी, श्री वी शक्ति राव, श्री संजय शिवनानी, मंडल अध्यक्ष श्री सुरेंद्र धोटे, श्री गणेश राम नागर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सीईओ तिवारी ने किया बैरसिया की पंचायतों का निरीक्षण

भोपाल (आरएनएस)।मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत इला तिवारी ने सोमवार को ईंटखेड़ी सड़क स्थित एमआरएफ सेंटर के साथ-साथ विकासखंड बैरसिया की विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर विभागीय कार्यों प्रगति का जायजा लिया। सबसे पहले एमआरएफ सेंटर पहुँच कर सीईओ ने कचरा प्रबंधन एवं रीसायकल प्रोसेस की निरंतरता बनाये रखने एवं प्लास्टिक वेस्ट को विक्रय किये जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। तत्पश्चात बैरसिया विकासखंड की ग्राम पंचायत रुनाहा, बर्रीछिरखेड़ा, हर्राखेड़ा में क्रमशः गौशाला, प्रधानमंत्री आवास एवं स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौवंशों के लिए शेड निर्माण, चारागाह, पानी आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए।

छिंदवाड़ा सांसद के बयान का विरोध, कांग्रेसियों ने पुतला फूंककर किया प्रदर्शन

छिंदवाड़ा (आरएनएस)। हर्रई में जनसभा को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने पुलिस विभाग पर सवाल खड़े किए थे। इसी के जवाब में छिंदवाड़ा सासंद विवेक बंटी साहू ने अपने बयान पर कहा कि जनता ने अभी आपकी धुलाई कर दी है, यदि पुलिस और वर्दी ने आपकी धुलाई कर दी तो आप कहां जाएंगे।

छिंदवाड़ा कांग्रेस ने इस बयान पर एतराज दर्ज किया है। वहीं प्रदर्शन कर एसपी के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस के इस प्रदर्शन के दौरान दोपहर डेढ़ बजे कांग्रेस कार्यालय से समस्त कांग्रेसियों ने प्रदर्शन रैली निकाली। इस दौरान सातों विधानसभा से विधायक सहित युवक कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

कांग्रेस भवन से रैली लेकर कंट्रोल रूम तक निकाली गई। जहां कांग्रेस ने जगह-जगह रुककर भाषण भी दिए। इस दौरान नगर निगम अध्यक्ष सोनू मांगो में कहा- सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा जो बयान दिया गया वह निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराया है। फिर भाजपा किस खेत की मूली है। अगर भाजपा की इस तरह की गुंडागर्दी चलते रहेगी तो हम इस लड़ाई में ईंट से ईंट बजा देंगे। कांग्रेस के इस प्रदर्शन के दौरान युवक कांग्रेस द्वारा बंटी साहू का पुतला भी फूंका गया। इस दौरान सासंद विवेक बंटी साहू के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वहीं इस प्रदर्शन के बीच कांग्रेस ने बंटी साहू से माफी मांगने की मांग की है। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेस के इस प्रदर्शन में जिलेभर से विधायक-प्रवक्ता सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किए गए इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ऑक्टे ने कहा कि कमलनाथ के बयान के बाद सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा दिए गए बयान के लिए उन्हें कमलनाथ जी से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा की सरकार में लगातार अवैध कार्य चल रहे हैं। रेत उत्खनन से लेकर जुए सट्टा अपने चरम पर है। छिंदवाड़ा सांसद अपना जिला सही तरीके से चलाने में असमर्थ दिखाई दे रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और छिंदवाड़ा विधायक कमलनाथ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में मंच से कहा था मुझे यहां आकर पता चला है कि हर्रई का प्रशासन और पुलिस बेलगाम है। पुलिसकर्मी और अधिकारी भाजपा का बिल्ला लगाकर काम कर रहे हैं, खासकर यहां के टीआई। कितने दिन आपकी वर्दी रहेगी हम देखेंगे, आगे भी समय आएगा। जो हालात आज हैं, वे हमेशा नहीं रहेंगे। अपनी वर्दी का सम्मान करें और भाजपा के इशारों पर काम नहीं करें।

बंटी साहू ने दी प्रतिक्रिया--कमलनाथ के इस बयान के बाद सांसद बंटी विवेक साहू ने तंज कसा छिंदवाड़ा की जनता ने तो आपकी धुलाई कर ही दी है। यदि वर्दी धुलाई करने लग जाएगी तो समझिए आपका क्या हो। उनके सांसद रहते हुए जिले में माफिया और गुंडाराज रहा। एक समय था जब वर्दी उनकी चौखट पर बंधी रहती थी। समय बदला और उनके घमंड और अभिमान को जनता ने चूर-चूर कर दिया। आज देश प्रदेश में खाकी वर्दी जनता की सेवा में लगी है।

भाजपा सरकार ने किसानों से किया धोखा, चुनाव में किये वादे से मुकर गई भाजपाः जीतू पटवारी

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज मीडिया से चर्चा करते हुये भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। श्री पटवारी ने कहा कि चुनाव में किसानों से गेहूं, धान, सोयाबीन के 2700, 3100 और 6000 दाम, 450 का गैस सिलेण्डर के दाम, महिलाओं को 3000 रूपये देने, युवाओं रोजगार जैसे मुद्दों पर सत्ताा में काबिज हुई भाजपा सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के साथ छल किया। श्री पटवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार द्वारा जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा न करने पर सवाल उठाते हुये कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किसानों, महिलाओं और युवाओं से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन अब सत्ता में आने के बाद इन वादों को पूरा करने से पीछे हट रही है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने किसानों के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने चुनाव के समय किसानों से वादा किया था कि उन्हें गेहूं का भाव 2700 और धान का 3100 मिलेगा, लेकिन अब इन वादों पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने मांग की कि किसानों को 3500 प्रति क्विंटल गेहूं का समर्थन मूल्य दिया जाए, क्योंकि खाद, बीज, डीजल, बिजली और मजदूरी सभी महंगे हो चुके हैं। यदि किसानों को उनका हक नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पार्टी सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान करेगी।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं और युवाओं से किया धोखा। भाजपा ने महिलाओं को 450 का गैस सिलेंडर और 3000 प्रतिमाह देने का वादा किया था, भाजपा अपने वादे से मुकर गई है। युवाओं को 2.5 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया गया था, लेकिन रोजगार की स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है।

श्री पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है। मध्य प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा कर्जदार राज्य बन चुका है। सरकार विदेशी निवेश लाने की बात कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि निवेश के नाम पर प्रदेश को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।

श्री पटवारी ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुये कहा कि यदि किसानों से गेहूं और धान के लिए वादा किया गया 2700 और 3100 समर्थन मूल्य नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश की मंडियों में जाकर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि जनता को भाजपा की झूठी राजनीति समझ आ चुकी है और अब किसान, महिला और युवा सभी मिलकर भाजपा सरकार से हिसाब लेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस निर्णायक संघर्ष करेगी। किसानों ने भाजपा को वोट दिया और किसान ही अब भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखायेगी। इतना ही नहीं भाजपा को अब जनता की नाराजगी झेलनी पड़ेगी। कांग्रेस जनता के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी और यदि जरूरत पड़ी, तो सड़कों पर उतरकर सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेगी।

विद्युत विभाग एवं नगर निगम 08 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों में देगा छूट का लाभ

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 08 मार्च को वर्ष 2025 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। वर्तमान में जिला भोपाल अंतर्गत न्यायालयों में समस्त प्रकार के कुल 1,56,644 मामले लंबित मामले हैं। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 पराक्राम्य लिखित अधिनियम, क्लेम प्रकरण, विद्युत अधिनियम, वैवाहिक विवाद सम्बंधी व अन्य सिविल प्रकरण सहित कुल 17,241 राजीनामा योग्य प्रकरण रखे गये है। विधुत्त अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर एवं बी.एस.एन.एल. विभाग, यातायात ई-चालान से संबंधित 60,989 प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत के समक्ष रखे गए है। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय, रेरा सहित कुल 61 खण्डपीठों का गठन किया गया है।

सौरभ शर्मा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

भोपाल (आरएनएस)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भोपाल की कोर्ट में पेश किया है। कोर्ट ने उसे फिर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले ईडी ने सौरभ को 17 फरवरी को कोर्ट में पेश किया था। तब भी 3 मार्च तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए थे।

सौरभ से ईडी और लोकायुक्त के बाद आयकर विभाग के अफसरों ने पूछताछ की है। एक सप्ताह में आईटी की टीम ने 6 बार सौरभ और उसके सहयोगी शरद और चेतन से पूछताछ की है। जेल सूत्रों की माने तो सौरभ लगातार आयकर विभाग की टीम को गुमराह करता रहा। सोमवार से शनिवार के बीच आईटी की टीम ने लगातार 6 दिनों तक तीनों आरोपियों से पूछताछ की। लेकिन कैश और सोने से भरी कार से तीनों ने किसी भी तरह का लेना देना होने से साफ इनकार किया है। इससे पहले, लोकायुक्त और ईडी की टीम ने भी उनसे पूछताछ की, इन दोनों एजेंसियों को भी इन सवालों का जवाब नहीं मिला है।

आयकर विभाग के आवेदन पर 13 फरवरी को न्यायाधीश आरपी मिश्रा की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने अफसरों से पूछा था कि सौरभ से पूछताछ करने कौन-कौन जाएगा? इसके बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया था। 15 फरवरी को कोर्ट ने बगैर लिस्ट के पूछताछ की मंजूरी दे दी थी।

महाकुंभ से चर्चा में आई हर्षा रिछारिया की सोशल मीडिया पर 55 फेक आईडी, पुलिस से की शिकायत

भोपाल (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ से चर्चा में आई हर्षा रिछारिया अपने नाम से बनी 55 फेक आईडी से इतनी परेशान हो गईं कि उन्हें मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस की साइबर सेल में एफआईआर दर्ज करानी पड़ी। भोपाल के साइबर क्राइम थाने में हर्षा रिछारिया ने बताया कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान फेक आईडी मेरे नाम से यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर बनी हैं, जो मेरे नाम से फ्रॉड कर रहे हैं और मेरे नाम पर बहुत से अश्लील विज्ञापन बना रहे हैं, जो मैं नहीं करती हूं। इतना ही नहीं, पैसों की डिमांड की जा रही है, अश्लील वीडियो बनाई जा रही हैं। अब तक 55 फेक आईडी बनाई गई हैं, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। हर्षा रिछारिया ने अपनी एफआईआर में लिखाया है कि नौ जनवरी 2025 से चार फरवरी 2025 तक हुए प्रयागराज के महाकुंभ में अपनी सेवाएं दे रही थीं। इस अवधि के दौरान विभिन्न संचार माध्यमों में मेरे संबंध में वीडियो प्रसारित किए गए हैं तथा मेरे द्वारा जो सेवाएं महाकुंभ में दी गईं,

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को किया संबोधित

कांग्रेस किसानों की लाशों पर रोटी सेंकने का कार्य करती है, भाजपा खुशहाल बना रही- दर्शन सिंह चौधरी

भोपाल (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों को बड़ा तोहफा देते हुए समर्थन मूल्य पर 2600 रूपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का निर्णय लिया है। इसको लेकर 2 मार्च को मध्यप्रदेश के लाखों किसानों की तरफ से भाजपा किसान मोर्चा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मुख्यमंत्री निवास में अभिनंदन किया जाएगा। कांग्रेस किसानों की लाश पर रोटी सेंकने का कार्य करती है, भाजपा किसानों को खुशहाल बना रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने खेती में क्रांतिकारी परिवर्तन किया हैं। कांग्रेस के शासनकाल में किसान खेती के प्रति उदासीन हो गया था। प्रधानमंत्री जी कि किसान हितैषी नीतियों के चलते अब किसान उन्नत खेती कर रहे हैं। युवाओं में खेती के प्रति रूझान बढ़ा है। आईआईटी पास युवा भी अब खेती कर रहे हैं।

-दो हजार प्रति हेक्टेयर बोनस किसानों को आर्थिक सशक्त बनाएगा

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) माध्यम के जरिए किसानों के खाते में राशि भेजकर योजना को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। इस योजना का मध्यप्रदेश के 82 लाख किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के गेहूं के किसानों को नुकसान होने की स्थिति में दो हजार रूपए प्रति हेक्टेयर बोनस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों को लेकर लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। मध्यप्रदेश भाजपा सरकार का यह निर्णय किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य करेगा।

-श्रद्धेय अटल जी ने किसानों को केसीसी का तोहफा देकर उनका जीवन संवारने का कार्य किया

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्व. जवाहरलाल नेहरू के समय से किसानों की लाशों पर रोटियां सेकने का कार्य कर रही है। कांग्रेस आज भी यही कार्य कर रही है, उन्हें किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णय अच्छे नहीं लगते। कांग्रेस वर्षों तक देश और मध्यप्रदेश में सत्ता में रही, लेकिन किसानों के हितों को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना लागू करके किसानों को बहुत कम ब्याज दर पर खेती के लिए ऋण दिलाने का कार्य किया। श्रद्धेय अटल जी ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना लागू करके देश के गांवों में रहने वाले करोड़ों किसानों को सड़क मार्ग से जोड़ा। इसका फायदा यह हुआ कि किसान आसानी से अपना उपज बाजार तक पहुंचाने लगा और उसे उपज का अच्छा दाम मिलने लगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों का जीवन संवारने का कार्य कर रही है।

-भाजपा सरकार ने किसानों को असली आजादी देने का कार्य किया है

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने का कार्य किया है। हाल ही में प्रस्तुत केंद्रीय बजट में मध्यप्रदेश को एक लाख 11 हजार 661 करोड़ मिलने जा रहा है। इसके साथ ही 45 हजार करोड़ रूपए केंद्रीय योजनाओं के लिए मिलेंगे, इससे मध्यप्रदेश के अंतिम पंक्ति तक के व्यक्तियों के जीवन में खुशहाली आएगी। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को खाद, बिजली में भारी सब्सिडी दे रही है।

हिंदू धर्म में बुधवार का दिन भगवान श्रीगणेश को समर्पित होता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही गणेश जी की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए बुधवार का व्रत भी किया जाता है। बता दें कि भगवान गणेश की पूजा करने से जातक के आय, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है और बिगड़े काम बनने लगते हैं। ऐसे में अगर आप भी जीवन में आने वाले दुखों और संकटों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो बुधवार को सुबह स्नान आदि करने के बाद विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा करें। वहीं पूजा के दौरान श्रीगणेश को मोदक और दूर्वा जरूर अर्पित करें।

शराब नीति में हेरा-फेरी

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई। कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती है, और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है। पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया। उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ। यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा।

मोटापे से जाता है देश में भुखमरी-कुपोषण को रोकने का रास्ता

भारत विडम्बनाओं से भरा देश है। इन्हीं में से एक है मोटापा और भुखमरी। इनमें एक जुड़ाव भी है। एक तरफ अनावश्यक और अत्यधिक खाने से बढ़ने वाला मोटापे से होने वाली बीमारियां राष्ट्रव्यापी समस्या बनती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ आबादी का एक बड़े हिस्सा दो वक्त का भरपेट भोजन नसीब नहीं होने से कुपोषित होकर रोगग्रस्त हो रहा है। यदि मोटापा खत्म या नियंत्रित हो जाए तो इससे भुखमरी व कुपोषण के लिए धन की कमी पूरी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 119वी श्रृंखला में देश में बढ़ती मोटापे की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं और भारत में मोटापे की व्यापकता पर ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं। जैसे एक तरीका है कि खाने के तेल में 10 पर्सेंट की कमी करना। भोजन में खाद्य तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री ने देश के दस प्रसिद्ध लोगों को नॉमिनेट किया। मोटापा सिर्फ सेहत का मसला नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरा है। एक नई स्टडी के अनुसार, भारत में मोटापे का आर्थिक बोझ 2030 तक बढ़कर 6.7 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो जाएगा। यह लगभग 4,700 रुपये प्रति व्यक्ति होगा, जोकि जीडीपी का 1.57 फीसदी है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, 2019 में मोटापे का आर्थिक प्रभाव 2.4 लाख करोड़ रुपये था। यह लगभग 1,800 रुपये प्रति व्यक्ति और जीडीपी का 1.02 फीसदी था। 2060 तक यह आंकड़ा बढ़कर 69.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो प्रति व्यक्ति 44,200 रुपये और जीडीपी का 2.5 फीसदी होगा। यह स्टडी बताती है कि मोटापा सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं में क्रमशः 44 प्रतिशत और 41 प्रतिशत लोग अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। पिछले सर्वेक्षण में यह आंकड़ा क्रमशः 37.7 फीसदी और 36 फीसदी था। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व मोटापा महासंघ ने कहा कि भारत में दुनिया में मोटे व्यक्तियों का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिशत है। किसी व्यक्ति को तब मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है जब उसका बीएमआई 27.5 से अधिक हो। पिछले 10 वर्षों में, भारत की मोटापे की दर लगभग तीन गुनी हो गई है, जिसका असर देश की शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी पर पड़ रहा है। मोटापे का वैश्विक संकट सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में मोटापे की दर अधिक है, जो देश के तेज़ आर्थिक विस्तार और बदलती जीवन शैली मानकों के साथ मेल खाता है। भारत में 100 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। भारत में 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। केरल (65.4 प्रतिशत), तमिलनाडु (57.9 प्रतिशत), पंजाब (62.5 प्रतिशत) और दिल्ली (59 प्रतिशत) में यह दर बहुत यादा है।

मध्य प्रदेश (24.9 प्रतिशत) और झारखंड (23.9 प्रतिशत) में यह दर कम है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में पहले से ही 14.4 मिलियन बच्चे मोटे हैं। भारत में बचपन में मोटापे के प्राथमिक कारणों में खराब आहार विकल्प, निष्क्रियता और एक गतिहीन जीवन शैली शामिल है। प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बच्चे उच्च कैलोरी, कम पोषक तत्व वाले आहार खा रहे हैं, जिससे वजन बढ़ता है और मोटापा होता है। बचपन में मोटापे के परिणाम व्यापक हैं और लंबे समय में बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मोटे बच्चों को टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और सांस लेने में कठिनाई जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं होने का उच्च जोखिम होता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें निराशा और खराब आत्मसम्मान सहित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव होने की अधिक संभावना है, जो उनके सामान्य स्वास्थ्य को खराब कर सकता है। विडम्बना यह है कि देश मोटापे से होने वाली चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं कुपोषण की समस्या से भी जूझ रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 में 127 देशों में भारत का स्थान 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में इस साल भारत की रैंक में सुधार हुआ है। लेकिन भारत अभी भी गंभीर भूख की समस्याओं वाले देशों में शामिल है। 2024 की रिपोर्ट में भारत का स्कोर 27.3 है जो भुखमरी के एक गंभीर स्तर को दर्शाता है।

रिपोर्ट में हाल के वर्षों में भारत में कुपोषण के प्रसार में मामूली वृद्धि का उल्लेख किया गया है। भारत की रैंकिंग अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश से पीछे हैं, जबकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से केवल ऊपर है। श्रीलंका 56, नेपाल 68 और बांग्लादेश 84वें स्थान पर भारत से काफी आगे हैं। भारत में कुपोषण की जो स्थिति है वो किसी से छिपी नहीं है।

कुंभ समाप्त, अब चार धाम यात्रा की तैयारी कीजिए

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से शुरू हुआ कुंभ से उपजा सनातन का जोश और आस्था आजकल हिंदू समाज में हिलोरे ले रही है। कुंभ यात्रा के बावजूद इस बार शिवरात्रि पर कांवड़ियों की संख्या पर प्रभाव नहीं पड़ा। कुंभ यात्रा लगभाग बीत गई। इसके बाद 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा शुरू हो जाएगी। श्रद्धालुओं का जो काफिला कुंभ में दिखाई दिया, ऐसा ही कमोबेश चार धाम यात्रा में नजर आने की आशा है। कुंभ के सफल आयोजन की जिम्मेदारी जहां उत्तर प्रदेश सरकार और वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की थी। ऐसी ही जिम्मेदारी चार धाम यात्रा में उत्तरांचल की सरकार और यहां के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की होगी। पुष्कर सिंह धामी इस श्रद्धालुओं के रेले को किस तरह नियंत्रित करते हैं। इस यात्रा की किस तरह तैयारी करते है। इसकी योग्यता उन्हें प्रदर्शित करने का अवसर आ रहा है। हालाकि उत्तरांचल में भाजपा की सरकार है। केंद्र उन्हें इस आयोजन में पूरी मदद करेगा, हर संभव मदद करेगा, किंतु श्रद्धालुओं के रेले को तो उत्तरांचल सरकार को ही संभालना होगा। 26 फरवरी को महाकुंभ का अंतिम स्नान था। शिवरात्रि तक 66 करोड 21 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके। अभी ये चलेगा। एक तरह से फरवरी के बाद भी कुछ समय ये चलेगा। आयोजन की समाप्ति तक एक अनुमान के अनुसार कुंभ स्नान करने वालों की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगी। देश में दशकों के बाद सनातन ने करवट ली है। वह अपने आस्था स्थलों की ओर बेतहाशा दौड़ रहा है। राम मंदिर के निर्मित होते ही सनातन का ऐसा उदय हुआ जैसा कभी 1000 वर्ष पहले हुआ करता होगा। कुंभ आने का प्रचार पहली बार भारत से बाहर निकल दुनिया के तमाम देशों के टीवी चैनल्स तक पंहुच गया। अनेक देशों की सरकारों को निमंत्रण पत्र देने भारत के राजदूत गए। परिणाम स्वरूप, 60 करोड 21 लाख श्रद्धालु शिवरात्रि तक कुंभ स्नान चुके हैं।

राहुल की विचारधारा बदली, लाइन भी अलग

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी 35 साल की उम्र में 2004 में सांसद बने थे। तब से यानी पिछले 20 साल से अपनी टीम बनाने की कोशिश में हैं। एक बार उन्होंने 2009 में राजकुमारों की टीम बनाई थी, सबको मंत्री बनाया था लेकिन उनमे से ज्यादातर लोग कांग्रेस छोड़ कर चले गए।

परंतु उनकी इस राजनीति का नतीजा यह हुआ है कि सोनिया गांधी की टीम बनाम राहुल गांधी की टीम यानी पुराने और नए नेताओं का झगड़ा स्थायी बना।

अब जबकि कांग्रेस के ज्यादातर पुराने नेताओं का या तो निधन हो गया है या वे रिटायर है या हाशिए में चले गए है तो राहुल गांधी फिर नई टीम बना रहे हैं। इस बार उनकी विचारधारा भी बदली हुई है, राजनीतिक लाइन भी अलग है और चेहरे भी अलग हैं। उनकी राजनीति को समझाने के लिए बिहार कांग्रेस के एक बहुत पुराने नेता, जो डॉक्टर जगन्नाथ मिश्र के बहुत करीबी रहे नेता ने कहा है कि वामपंथी राजनीति देश में लगभग खत्म हो गई है, केरल के अलावा अगर वह कहीं बची है तो राहुल गांधी की टीम में बची है।

पता नहीं यह बात पूरी तरह से सही है या नहीं लेकिन इतना दिख रहा है कि वामपंथी विचारधारा से जुड़े या एनजीओ के अंदाजा में काम करने वाले युवा राहुल गांध की कोर टीम में जुड़े हैं।

खुद राहुल गांधी जाति गणना कराने, आरक्षण की सीमा 50 हजार से ज्यादा करने, आबादी के अनुपात में राजनीतिक व प्रशासनिक पद देने आदि के विचार में काम कर रहे हैं।

अपनी इसी समझ में वे टीम चुन रहे हैं। नेताओं की योग्यता, उनकी क्षमता, राजनीतिक अनुभव, जनता के साथ संपर्क आदि को दरकिनार करके वे उन लोगों को संगठन में आगे बढ़ा रहे हैं, जिन लोगों का विचार है कि आरक्षण की सीमा 75 फीसदी होनी चाहिए।

पार्टियों के संगठन के पद जाति व धर्म के आधार पर भरे जाने चाहिए। प्रशासनिक सेवाओं से लेकर मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में ओबीसी, दलित, आदिवासी को आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

इसी सोच में उन्होंने 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति कराई है। इनमें आठ नेता ओबीसी, दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय के हैं।

हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सभी नेता स्वाभाविक प्रक्रिया से निकल कर ऊपर तक पहुंचे हैं और किसी पूर्वाग्रह की वजह से पहले उनको जिम्मेदारी नहीं मिल रही थी।

दो प्रदेशों में पिछड़ा और दलित अध्यक्ष बनाने के बाद 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति को देख कर लग रहा है कि कैसे रैंडम तरीके से नेता चुने जा सकते हैं और उन्हें जिम्मेदारी दी जा सकती है। नई नियुक्तियों में कोई तारतम्य नहीं दिख रहा है। तेलुगू भाषी व्यक्ति को झारखंड और कन्नड़ भाषी व्यक्ति को बिहार का प्रभारी बनाने के पीछे क्या सोच हो सकती है, यह कोई नहीं बता सकता है। अब तक परदे के पीछे से काम कर रहे लोगों को घनघोर राजनीति करने वाले राज्यों में प्रभारी बना कर भेजने के पीछे भी क्या सोच है, यह कोई नहीं बता पाएगा।

फाल्गुन कामदा सप्तमी व्रत से मिलता है संतान सुख

आज फाल्गुन कामदा सप्तमी व्रत है, यह व्रत भगवान सूर्य को समर्पित होता है। इस व्रत को कामना पूर्ति के लिए खास माना गया है। कामनाओं को पूरा करने वाला यह व्रत पूरे वर्ष भर चलने वाला व्रत होता है तो आइए हम आपको फाल्गुन कामदा सप्तमी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। कामदा सप्तमी व्रत एक महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार है जो हिंदू कैलेंडर के अनुसार चैत्र महीने के सातवें दिन मनाया जाता है। यह दिन भगवान सूर्य को समर्पित है, जो हिंदू सूर्य के देवता हैं। इस त्यौहार को चैत्र शुक्ल सप्तमी के नाम से भी जाना जाता है और ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने से अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि प्राप्त होती है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस त्यौहार का विशेष महत्व है क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि भगवान सूर्य इस दिन अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं और उनके सभी पापों को दूर करते हैं। यह त्यौहार भारत के कई हिस्सों में, खासकर उत्तर भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है और कामदा सप्तमी व्रत का पालन भगवान सूर्य के प्रति भक्ति दिखाने और उनका आशीर्वाद पाने का एक तरीका माना जाता है। यह व्रत प्रत्येक शुक्ल सप्तमी को किया जाता है और हर चौमासे अर्थात् हर चार माह में इस व्रत का पारण करना चाहिए।

वैश्विक राजनीति में तरक्की पसंदगी का दौर खत्म

श्रुति व्यास

दुनिया रूढिवाद के सैलाब में डूब-उतरा रही है। मध्यमार्गी %बेचारे' हो चले हैं। वे मध्य-दक्षिणपंथियों और लोकलुभावनवादी दक्षिणपंथियों से पिट रहे हैं। जर्मनी इस सैलाब का सबसे नया शिकार है। वहां की मध्य-दक्षिणपंथी क्रिस्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी (सीडीयू) के नेता फ्रीड्रेक मर्त्ज़ का देश का अगला चांसलर बनना तय है। हालांकि मतदाताओं का दक्षिणपंथियों की ओर झुकाव अनुमानों से कम है, फिर भी यह जबरदस्त है। रूढिवादियों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संकल्प लिया था कि उनसे अधिक दक्षिणपंथी कोई भी दल चुनावों में कामयाबी हासिल नहीं कर सकेगा। अब यह साफ है कि वे अपने संकल्प को पूरा करने में नाकामयाब रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर रूढिवादी सीडीयू/सीएसयू ने अधिकतर सीटों पर जीत हासिल की है। और अति-दक्षिणपंथी एएफडी दूसरे स्थान पर रही है।

लेकिन जर्मनी के ये नतीजे न तो आश्चर्यजनक है और ना ही धक्का पहुंचाने वाले हैं।

सारी दुनिया में निराशा, मोहभंग और सार्वभौम मूल्यों के प्रति बगावत का माहौल है। इससे उग्र-दक्षिणपंथी और व्यवस्था-विरोधी दलों की ताकत में इजाफा हुआ है। स्थापित राजनीति को लेकर निराशा और मायूसी है, विशेषकर युवाओं में। अध्ययनों और रायशुमारियों में दावा किया गया है कि युवा आजादी (अर्थात उदारवाद) की बजाए अंकुशों (यानि रूढिवादिता) के अधिक पक्षधर हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्था ग्लोकेलाईटिस द्वारा 2024 में किए गए अध्ययन से पता लगता है कि 2014 से 2023 के बीच, कुल मिलाकर दुनिया अधिक उदारवादी बनी। हालांकि वह इसके साथ-साथ अधिक निराशावादी भी हो गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सभी महाद्वीपों में उग्र-दक्षिणपंथी मतदाताओं की छवि बदल रही है, और अति दक्षिणपंथ के प्रति समर्थन युवावर्ग में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह तो साफ़ है, हालांकि इसे समझना आसान नहीं है। उनकी सोच में ढेर सारी कमियां है, पाखंड है क्योंकि उनकी कोई विचारधारा ही नहीं है। युवा पंथनिरपेक्ष नजर आना चाहते हैं, और यह नहीं चाहते कि उन पर जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करना वाला) होने का ठप्पा लगा दिया जाए। लेकिन वे प्रवासियों के खिलाफ हैं, और भारत के मामले में मुसलमानों और उनकी संस्कृति के। वे महसूस करते हैं कि पुराने राजनैतिक दल मुसलमानों के अधिक पक्षधर रहे हैं। जिन नौकरियों और घरों पर उनका हक था, वे अल्पसंख्यकों को दे दी गईं और उन्हें तकलीफ झेलने के लिए छोड़ दिया गया।

स्त्री पुरुष का भेद समझने के लिए अर्धनारीश्वर रूपी भगवान शिव की महिमा को समझना होगा

पुरातन काल में तत्ववेत्ताओं ने शिव और पार्वती के एक सम्मिलित रूप की कल्पना की। जिसमें आधा शिव और आधा पार्वती, दोनों भाग मिलकर एक पूर्ण व्यक्ति बनता है जिसे अर्धनारीश्वर कहा गया। स्त्री पुरुष का भेद समझने के लिए अर्धनारीश्वर रूपी भगवान शिव की महिमा को समझना होगा। स्त्री पुरुष की पूरक है और पुरुष की पूरक स्त्री है। अर्थात बिना पुरुष के स्त्री अधूरी है और बिना स्त्री के पुरुष अधूरा है। भगवान अर्धनारीश्वर शिव के शरीर का दाहिना भाग नीलवर्ण का और बायां भाग प्रवाल अर्थात मूंगे की कान्ति के समान लाल वर्ण का है। उनके तीन नेत्र सुशोभित हैं। वे वाम भाग के हाथों में पाश और लाल कमल धारण किये हैं। उनकी दाहिनी ओर के दो हाथों में त्रिशूल और कपाल स्थित है। एक ही शरीर में बायीं ओर भगवती पार्वती और दायीं ओर भगवान शंकर का स्वरूप है। उनके अंगों में अलग-अलग आभूषण सुशोभित हैं, मस्तक के ऊपर बालचंद्र और मुकुट है।

वर्चस्व पर संकट का कवच बनती हिंदी विरोध की राजनीति

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नई बात नहीं है। हिंदी के विरोध में जिस तरह स्टालिन ने रोजाना आधार पर मोर्चा खोल रखा है, वह 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन की याद दिला रहा है। संवैधानिक प्रावधानों की वजह से 26 जनवरी 1965 को हिंदी को राजभाषा के तौर पर जिम्मेदारी संभालनी थी, जिसके विरोध में सीए अन्नादुरै की अगुआई में पूरी द्रविड़ राजनीति उतर आई थी। तब हिंदी विरोध के मूल केंद्र में तमिल उपराष्ट्रीयता थी। उसके लिए तब यह साबित करना आसान था कि उस पर हिंदी थोपी जा रही है। तब आज की तरह सूचना और संचार की सहूलियतें नहीं थीं, तब दक्षिण और उत्तर के बीच आज की तरह सहज संचार नहीं था, तब आज की तरह मीडिया का इंटरनेटी वितान नहीं था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। लिहाजा इस संदर्भ में स्टालिन के मौजूदा हिंदी विरोध की तह में जाना जरूरी हो जाता है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर उत्तर भारत के किसी हिंदीभाषी इलाके का, उसके हाथ में अगर फोन है, उसमें अगर इंटरनेट का कनेक्शन है तो तय है कि उसकी उंगलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं। इसलिए कम से कम सूचना और संचार के ऐसे माध्यमों पर किसी सरकार की वजह से भाषायी बंधन आज के दौर में हो भी नहीं सकता। इंटरनेट क्रांति के पहले भाषाओं के विस्तार में बाजार ने जो भूमिका निभाई, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज का बाजार वर्ल्ड वाइड वेब यानी डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के पंखों के सहारे कहीं और तेजी से फैल तो रहा ही है, फल-फूल भी रहा है। इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और कोई दीवार उसे रोक सकती है। बेशक तमिलनाडु भाषायी स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है, लेकिन वह भी हमारे देश का हिस्सा है। मौजूदा स्थिति में तेजी से विकसित होता राज्य है और उसे अपने उत्पादन केंद्रों के लिए कामगारों की जरूरत है। जिसकी आपूर्ति उत्तर भारत के ही राज्य करते हैं। उसके निजी शैक्षिक केंद्रों के लिए विद्यार्थियों की भी जरूरत है। उत्तर भारत की जो शैक्षिक स्थिति है, उसकी असलियत सबको पता है। इस वजह से उत्तर भारतीय छात्रों की आवक भी तमिलनाडु में खूब है। ऐसे माहौल में वैसे तो हिंदी विरोध के औचित्य पर ही सवाल है। फिर भी स्टालिन विरोध कर रहे हैं तो उसके अपने कारण हैं। संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी या कोई अन्य भाषी वैसे भी तमिल संस्कृति को इसलिए बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा दुनिया की पुरानी संस्कृतियों में से एक है और उसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। तमिल लोग अपनी संस्कृति और भाषा से नेह-छोह ही नहीं रखते, उसका शिद्दत से सम्मान भी करते हैं। फिर तमिलनाडु की ऐसी स्थिति नहीं है कि दिल्ली, जालंधर, सूरत, लुधियाना, मुंबई की तरह तमिलनाडु के शहरों में हिंदीभाषियों की बाढ़ आ जाएगी। वैसे एक बारगी मान लें कि जिन जगहों का जिक्र हुआ है, वहां हिंदीभाषियों की बाढ़ होने के बावजूद क्या वहां की स्थानीय संस्कृति और भाषाओं पर संकट आया। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। दरअसल होता यह है कि बाहर से आया व्यक्ति स्थानीय संस्कृति और समाज के लिहाज से वहां व्यवहृत भाषा को अपने सामाजिक और सार्वजनिक कामकाज की भाषा बनाता है, वह अपनी बोली-बानी को अपने सीमित समाज और परिवार में इस्तेमाल तो करता है, लेकिन उसकी सार्वजनिक संपर्क भाषा वहां की स्थानीय भाषा ही होती है। पता नहीं, इन तथ्यों को स्टालिन समझते हैं या नहीं, लेकिन वे बार-बार हिंदी पर आरोप लगाते रहते हैं कि वह तमिल संस्कृति को नुकसान पहुंचाएगी। असल बात यह है कि तमिलनाडु की राजनीति में पिछली सदी के साठ के दशक से ही स्थानीय द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व बना हुआ है। कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके जैसी स्थानीय पार्टियां ही सत्ता की मलाई खाती रही हैं। सही मायने में देखें तो ये महज स्थानीय पार्टियां ही नहीं हैं, बल्कि अपने-अपने हिसाब से तमिल उपराष्ट्रीयता का ही प्रतिनिधित्व करती हैं। तमिल उपराष्ट्रीयता होना बुरी बात नहीं है, लेकिन वह राष्ट्रीयता पर हावी नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह कड़वा सच है कि तमिल उपराष्ट्रीयता राष्ट्रीय मूल्यों पर हावी रहती रही है। तमिल उपराष्ट्रीयता के ही जरिए द्रविड़ राजनीति तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज रही है। लेकिन संचार और सूचना क्रांति के दौर में अब तमिल उपराष्ट्रीयता वाली सोच को लगने लगा है कि अगर हिंदी आई तो उसके जरिए राष्ट्रीयता की विचारधारा मजबूत होगी। जिसका असर स्थानीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। हिंदी या किसी भी सामान्य संपर्क भाषा के ज्यादा प्रचलन से कट्टरतावदी स्थानीय सोच को चोट पहुंचेगी और इसके साथ ही तमिल माटी में राष्ट्रीय राजनीति की जगह मजबूत होगी। जिसका आखिर में नतीजा हो सकता है कि द्रविड़ राजनीति की विदाई। कह सकते हैं कि स्टालिन को यही डर सताने लगा है। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने त्रिभाषा फॉर्मूला स्वीकार कर लिया, नई शिक्षा नीति को राज्य में लागू होने दिया तो जिस स्थानीयता केंद्रित भावना प्रधान राजनीति वह या उनके साथी स्थानीय दल करते हैं, उसका प्रभाव छीजने लगेगा। इससे स्थानीय राजनीति में उनका वर्चस्व कमजोर होगा और हो सकता है कि एक दौर ऐसा आए कि दूसरे राज्यों की तरह यहां भी राष्ट्रीय राजनीति हावी हो जाए। 1967 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद से कांग्रेस यहां की केंद्रीय राजनीति से बाहर है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी।

वृष राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरूरत है।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कर्क राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके प्रयासों से सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी।

सिंह राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी, जिससे आपके चेहरे पर पूरे दिन मुस्कान बनी रहेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं, आपकी यात्रा सुखद रहेगी।

कुंभ राशि- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी।

मीन राशि- आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन पर विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने भड़काऊ गतिविधियों की निंदा की। खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों के एक समूह ने लंदन में चैथम हाउस के बाहर प्रदर्शन किया, जहां जयशंकर बुधवार शाम दुनिया में भारत का उदय और भूमिका नामक सत्र में भाग ले रहे थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने विदेश मंत्री की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा संबंधी चूक की

पीएम मोदी ने एमएसएमई को बताया आर्थिक विकास का इंजन, सुधारों से उद्योगों में बढ़ा विश्वास

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र पर बजट के बाद एक वेबिनार को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में एमएसएमई की संख्या बढ़कर 6 करोड़ से भी ज्यादा हो गई है, जिससे करोड़ों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं.

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 2020 में एमएसएमई की परिभाषा में संशोधन किया गया था, जो 14 साल बाद किया गया एक महत्वपूर्ण कदम था. उन्होंने कहा कि इस संशोधन से यह डर दूर हो गया कि बढ़ते कारोबार से सरकारी लाभ खत्म हो जाएंगे. उन्होंने एमएसएमई को निरंतर आगे बढ़ते रहने का आत्मविश्वास दिलाने के लिए बजट में एमएसएमई की परिभाषा का विस्तार करने की बात कही. उन्होंने लोन वितरण के लिए नए तरीके अपनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, ताकि एमएसएमई को कम लागत और समय पर लोन मिल सके.

पीएम मोदी ने कहा कि नए तरीकों के साथ एमएसएमई को कम लागत और समय पर लोन मिलना सुनिश्चित हो सकेगा. उन्होंने उद्योगों को एमएसएमई को सहयोग देने के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू करने को कहा. आपको बता दें कि बजट में एमएसएमई के लिए क्रेडिट गारंटी कवर को 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दिया गया था.

पीएम मोदी ने बताया कि आज 14 सेक्टर्स को पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना) योजना का लाभ मिल रहा है. इस योजना के तहत 7.5 करोड़ यूनिट को मंजूरी दी गई है. इससे देश में 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है और 13 लाख करोड़ से ज्यादा का उत्पादन हुआ है. इसके साथ ही 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निर्यात हुआ है.

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लेकर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज दुनिया का हर देश, भारत के साथ अपनी इकोनॉमिक भागीदारी को मजबूत करना चाहता है. उन्होंने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से इस पार्टनरशिप का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिए आगे आने का आग्रह किया.

उन्होंने भारत की मैन्युफैक्चरिंग यात्रा में रिसर्च और डेवलपमेंट के अहम योगदान पर भी प्रकाश डाला किया. उन्होंने कहा कि इसे आगे बढ़ाने और गति देने की जरूरत है. उन्होंने सुझाव दिया कि आरएंडडी से हम इनोवेटिव प्रोडक्ट्स पर फोकस कर सकते हैं और साथ ही प्रोडक्ट्स में वैल्यू एडिशन कर सकते हैं.

पीएम मोदी ने कहा कि हमने आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाया और सुधारों की अपनी गति को और तेज किया. हमारे प्रयासों से अर्थव्यवस्था पर कोविड का प्रभाव कम हुआ. इससे भारत को तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिली. उन्होंने कहा, जब कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो गई तो भारत ने वैश्विक विकास को गति दी. यह आसानी से नहीं हुआ. हमने अपने सुधारों की गति को तेज किया और आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में काम किया. हमारे प्रयासों से कोविड-19 का हमारी अर्थव्यवस्था पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा. आज भी भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विकास का इंजन है.

इस वेबिनार में पीएम मोदी ने एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने और देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया. उन्होंने सरकार द्वारा एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख किया और उद्यमियों को इस क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया.

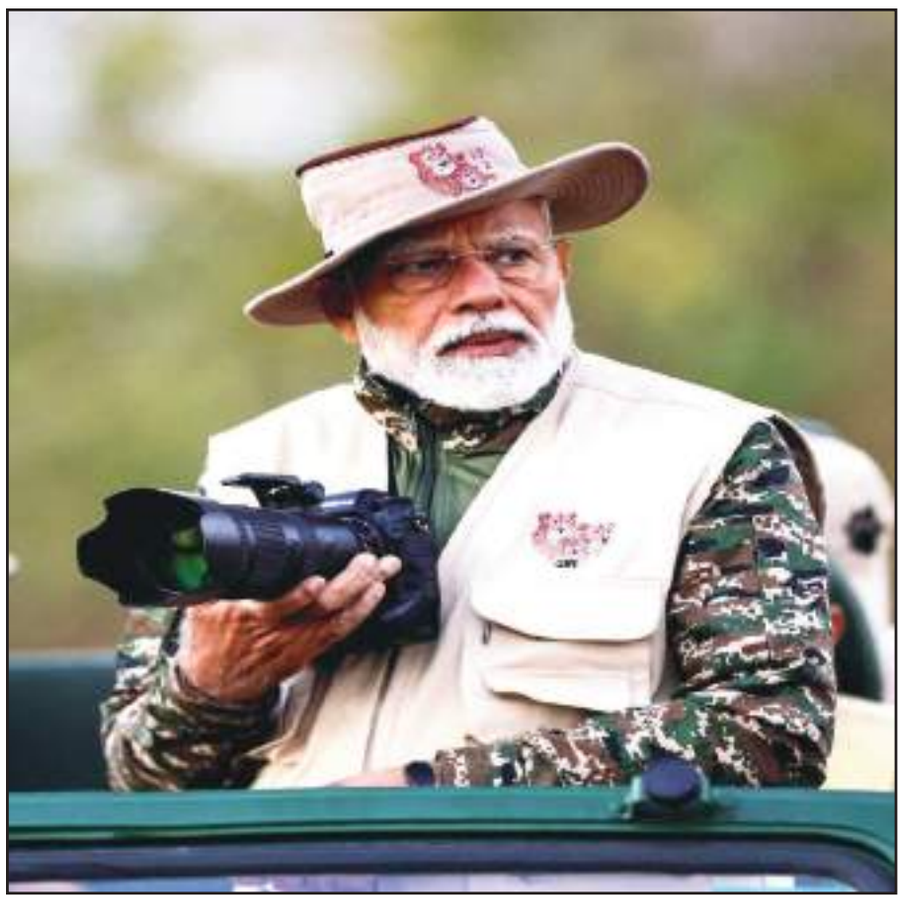

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के गिर सोमनाथ में गिर राष्ट्रीय उद्यान में लायन सफारी का आनंद लिया.

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा की.

मियां-तियां और पाकिस्तानी कहना खराब, अपराध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति को 'मियां-तियां' और 'पाकिस्तानी' कहना निश्चित रूप से खराब है, लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में आरोपी व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप से मुक्त कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल 'धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने' वाले कानून के अंतर्गत अपराध नहीं माना जा सकता।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ झारखंड हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने झारखंड हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया जिसमें उच्च न्यायालय ने आरोपी को आरोप मुक्त करने से इनकार कर दिया था। यह मामला एक एफआईआर से जुड़ा है जो एक उर्दू अनुवादक और चास अनुमंडल कार्यालय के कार्यवाहक लिपिक (सूचना का अधिकार) द्वारा दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वह एक आरटीआई आवेदन के संबंध में जानकारी देने के लिए गए, तो आरोपी ने उनके धर्म का उल्लेख करते हुए उनके साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें 'मियां-तियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से संबोधित किया।

झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में आरोपी को आरोप मुक्त करने से मना कर दिया था, जिसका अर्थ है कि उच्च न्यायालय ने प्रथम दृष्टया इसे अपराध माना था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस दृष्टिकोण से असहमति जताई।

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा, निस्संदेह, दिए गए बयान खराब तरीके के हैं। हालांकि, यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के समान नहीं है। अदालत ने इसके बाद अपीलकर्ता को धारा 298 के तहत आरोपों से मुक्त कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से संबंधित कानूनों की व्याख्या के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल कायम करता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अनुचित और अपमानजनक भाषा का उपयोग करना नैतिक रूप से गलत हो सकता है, लेकिन हर खराब बयान को कानूनी रूप से अपराध नहीं माना जा सकता, खासकर जब तक कि यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से न किया गया हो।

संसद में भी उपलब्ध रहेगा बिहार का मखाना

नई दिल्ली (आरएनएस)। जद (यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा जी ने आज नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। झा जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि लोकसभा की कैंटीन में भी मखाना का स्नैक्स उपलब्ध हो। इस पर लोकसभा अध्यक्ष जी ने तुरंत इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये।

कांग्रेस प्रवक्ता के रोहित शर्मा पर टिप्पणी को लेकर गिरिराज का तंज, 'दूसरे को कम ज्ञान दें

पटना (आरएनएस)। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद के भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा पर दिए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोग दूसरे को कम ज्ञान दें।

रोहित शर्मा पर कांग्रेस प्रवक्ता के टिप्पणी को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा, 'मैं किसी पर टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन रोहित शर्मा ने क्रिकेट जगत में बहुत उपलब्धि हासिल की है। उन्हें पता है कि कैसे फिट रहना है। लोग दूसरे पर कम ज्ञान दें और अपनी फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दें। वे रोहित शर्मा के फिटनेस की चिंता नहीं करें।'

बिहार के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात को लेकर उन्होंने कहा, राज्यपाल से मुलाकात के बाद स्वाभाविक है कि वे सकारात्मक और रचनात्मक सुझाव देते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे ठीक किया जाए और शिक्षा व्यवस्था को कैसे दुरुस्त किया जाए, इन सभी विषयों पर उनकी सकारात्मक सोच रही है। समाज के प्रति उनकी जो चिंता है, उसी पर चर्चा हुई। बिहार बजट को लेकर उन्होंने कहा, पूरे मंत्रिमंडल का मैं धन्यवाद देता हूं। बेगूसराय में कैंसर इंस्टीट्यूट को मान्यता दी गई। ये पुरानी मांग थी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, रविंदर इंद्राज सिंह, पंकज कुमार सिंह और मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

किसानों के धरने से पहले पंजाब पुलिस का बड़ा एक्शन, कई किसान नेता हिरासत में लिए; कल सीएम मान से हुई थी बहस

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब सरकार ने 5 मार्च को प्रस्तावित किसानों के धरने से पहले किसान नेताओं पर बड़ा एक्शन लिया है। जानकारी के मुताबिक, संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से 5 मार्च को चंडीगढ़ में होने वाले धरना प्रदर्शन से पहले कई किसान नेताओं को पंजाब पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने पंजाब के विभिन्न किसान संगठन के नेताओं के घरों पर छापेमारी की है। किसान नेताओं को हिरासत में लिए जाने पर लोगों ने कई जगहों पर पुलिस का विरोध किया है। बता दें कि सोमवार को मुख्यमंत्री मान और संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के बीच हुई बैठक बेनतीजा रही थी। बैठक के बेनतीजा रहने के बाद किसानों ने 5 मार्च को चंडीगढ़ में धरना, विरोध प्रदर्शन और मार्च करने का ऐलान किया था। इससे पहले कि किसान चंडीगढ़ कूच कर पाते, पुलिस ने राज्य में कई जगहों पर छापेमारी की और किसानों को हिरासत में ले लिया। बता दें बैठक के दौरान किसान नेताओं और मुख्यमंत्री मान के बीच काफी बहस हुई थी। किसान नेताओं ने दावा किया था कि 'नाराज' मुख्यमंत्री भगवंत मान 'बिना किसी उकसावे के बैठक से चले गए।' हालांकि बैठक के बाद भगवंत मान ने कहा था कि किसानों से बातचीत के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं,

दिल्ली का बजट जनता के सुझावों पर आधारित होगा : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार 24 से 26 मार्च के बीच बजट पेश करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दावा किया कि आगामी बजट विकसित दिल्ली बजट को जनता के सुझावों के आधार पर तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने एक प्रेस वार्ता में इस बात की जानकारी दी और कहा कि यह बजट दिल्ली के विकास को तेज गति से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली की जनता ने उनकी पार्टी को पूर्ण बहुमत में जीत दिलाई है और अब उनकी सरकार का उद्देश्य जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना है। सरकार का ध्यान दिल्ली के हर वर्ग के विकास, उन्नति और कल्याण पर है। इस बजट में विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, प्रदूषण नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन का सुधार, नौकरियों का सृजन, शिक्षा की बेहतर व्यवस्था, गरीबों के लिए सस्ता और पौष्टिक भोजन, नागरिकों के कल्याण और यमुना नदी की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली का यह बजट जनता का बजट हो। इसमें जनता की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। इस प्रक्रिया के तहत दिल्ली सरकार ने एक वेबसाइट और ईमेल आईडी जारी की है, ताकि दिल्ली के नागरिक अपने सुझाव दे सकें। इसके अलावा, दिल्ली सरकार ने विभिन्न समूहों से सुझाव लेने के लिए बैठक आयोजित की हैं। 5 मार्च को महिला संगठनों से संवाद किया जाएगा, जबकि 5 मार्च शाम को शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। 6

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट बनाने के नियमों में किया बदलाव, अब इस दस्तावेज के बिना नहीं होगा आवेदन

नई दिल्ली (आरएनएस)। पासपोर्ट को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के तौर पर माना जाता है। पासपोर्ट के होने से किसी भी शख्स की आसानी से पहचान हो जाती है, इसके साथ ही उसकी नागरिकता भी साबित होती है। इस बीच भारत सरकार ने पासपोर्ट को लेकर नियमों में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट बनवाने के नियमों में बदलाव किया है। नए नियम के तहत अब पासपोर्ट बनवाने के लिए बर्थ सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना जरूरी होगी। केवल जन्म प्रमाण पत्र ही जन्मतिथि के लिए वैध प्रमाण होगा। हालांकि, ये नियम सभी लोगों पर लागू नहीं होगा। ये नए नियम केवल उन लोगों पर ही लागू होंगे जो 01 अक्टूबर 2023 या उसके बाद पैदा हुए हैं। इससे पहले बर्थ सर्टिफिकेट की जगह मार्कशीट या स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस भी प्रयोग कर लिया जाता था। पासपोर्ट बनवाने के लिए बर्थ सर्टिफिकेट उन लोगों के लिए आवश्यक नहीं हैं, जिनका जन्म इस तिथि से पहले हुआ है। वे पहले के जैसे ही ड्राइविंग लाइसेंस, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र जैसे अन्य डॉक्यूमेंट देकर पासपोर्ट बनवा सकते

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में डेयरी क्षेत्र में स्थिरता और परिपत्रता पर कार्यशाला का उद्घाटन किया.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की.

मुस्लिमों के साथ धार्मिक मामलों में सौतेला रवैया न्यायसंगत नहीं : मायावती

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दोनों ही सरकारों पर मुस्लिमों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के साथ धार्मिक मामलों में सौतेला व्यवहार न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दो पोस्ट भी किए।

अपने पहले पोस्ट में उन्होंने लिखा, भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश है।

उन्होंने आगे लिखा, ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों को मानने वालों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए, किन्तु अब मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है, यह न्यायसंगत नहीं। उन्होंने अपने दूसरे पोस्ट में कहा, साथ ही, सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों आदि को लेकर पाबंदियां व छूट से संबंधित जो नियम-कानून हैं, उन्हें बिना पक्षपात एक जैसा लागू होना चाहिए, जो ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि इससे समाज में शांति व आपसी सौहार्द बिगड़ना स्वाभाविक है, जो अति-चिंतनीय है। सरकारें इस ओर जरूर ध्यान दें। मायावती ने इससे पहले तीन मार्च को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया था। इसकी जानकारी मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी थी। उन्होंने कहा था कि आकाश आनंद को, उनके ससुर की तरह, पार्टी और मूवमेंट के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। एक दिन पहले ही रविवार को मायावती ने आकाश को नेशनल कोऑर्डिनेटर सहित सारे पदों से हटाया था। मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, बीएसपी की ऑल इंडिया की बैठक में रविवार को आकाश आनंद को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोऑर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन, इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लंबी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है, वह उसके पछतावे और राजनीतिक मैच्योरिटी का नहीं, बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह, मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दंडित भी करती रही हूं।

आज यानी की 06 मार्च को बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। जाह्नवी कपूर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी हैं। उनको फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखे 7 साल बीत चुके हैं। जान्हवी कपूर आज बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस को जमकर टक्कर देती हैं। जाह्नवी कपूर ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के चलते उन्होंने लाखों दर्शकों के दिलों में जगह बनाई।

त्रिशा कृष्णन ने गुड बैड अग्ली में राम्या की भूमिका निभाने तैयार

अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन, जो 'पोन्नियिन सेल्वन', 'लियो', '96' और अन्य फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, आगामी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में राम्या की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

फिल्म के निर्माताओं ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने फॉलोअर्स के साथ यह खबर साझा की।

'गुड बैड अग्ली' एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है और इसका निर्माण मैश्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज फिल्म्स ने किया है।

इस फिल्म में अजित कुमार, प्रभु, प्रसन्ना, अर्जुन दास, सुनील, राहुल देव, योगी बाबू और शाइन टॉम चाको भी हैं। फिल्म की घोषणा 2023 के अंत में वर्किंग टाइटल एके63 के तहत की गई थी, क्योंकि यह अजित की मुख्य अभिनेता के रूप में 63वीं फिल्म है, और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा मार्च 2024 में की गई थी।

मुख्य फोटोग्राफी अगले मई में हैदराबाद में शुरू हुई, साथ ही स्पेन में छिटपुट कार्यक्रम भी हुए, और दिसंबर की शुरुआत में इसे पूरा किया गया। फिल्म का संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

इससे पहले, अभिनेत्री ने साझा किया था कि 'बृंदा' के बारे में उन्हें क्या दिलचस्पी थी, जो उनकी ओटीटी सीरीज़ की शुरुआत थी।

बृंदा में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो उनके लिए पहली बार है। उन्होंने बताया कि उन्होंने फ्लाइट में स्क्रिप्ट के पन्नों को खंगाला।

इस सीरीज में इंद्रजीत सुकुमारन, जया प्रकाश, आमानी, रवींद्र विजय, आनंद सामी, राकेन्दु मौली और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें ड्रामा, अपराध और रहस्य के तत्वों को एक साथ पिरोया गया है, जो एक मनोरंजक देखने का अनुभव प्रदान करता है।

इस सीरीज की पटकथा सूर्या मनोज वंगाला और पद्मावती मल्लाडी ने लिखी है, जिसका संगीत शक्तिकांत कार्तिक ने दिया है और प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला हैं।

छावा की दहाड़ से गूंजा बॉक्स ऑफिस, विक्की कौशल की फिल्म 600 करोड़ से बस इतने कदम दूर

विक्की कौशल की छावा को थिएटर में रिलीज हुए 15 दिन हो चुके हैं लेकिन दिन ब दिन छावा की गूंज बढ़ती ही जा रही है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करते हुए कई ब्रेक कर चुकी है. वहीं तीसरे शनिवार को फिल्म ने 69.23त्न की ग्रोथ दर्ज की. यानि फिल्म के लिए तीसरा सैटरडे भी सुपरहिट रहा. आइए जानते हैं फिल्म की 16वें दिन की कमाई. विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना स्टारर छावा वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज हुई थी. जिसके बाद फिल्म ने तीन दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था और अब तक फिल्म दुनियाभर में 500 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी है. मीडिया ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 16वें दिन फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 69.23त्न ग्रोथ के साथ 22.5 (लगभग) की कमाई की

साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिखाई दिलकश अदाएं, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं प्रज्ञा जैसवाल ने फोटोशूट के दौरान ग्लास नेक लुक में ब्लाऊज और गोल्डन कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

गले में नेकलेस, माथे पर छोटी सी काली कलर की बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर आउटफिट में बवाल काटती है।

अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची आज नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक, हिंदी भाषा में होगी उपलब्ध

अभिनेता अजीत कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' की ओटीटी रिलीज तारीख की घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म का इंतजार लोगों को बहुत बेसब्री से था। अगले महीने इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज कर दिया जाएगा। फरवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म की बहुत तारीफें हो रही थी। आइए जानते हैं कि किस तारीख को आप इसे देख सकते हैं।

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विदामुयार्ची' की ओटीटी रिलीज तारीख की घोषणा नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम पर कर दिया है। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर 3 मार्च से देख सकेंगे, जो तमिल, कन्नड़, मलायालम और हिंदी भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के पोस्टर को शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, कोई ब्रेक नहीं। कोई सीमा नहीं। बस विदामुयार्ची।

कहानी की बात करें तो यह फिल्म शादीशुदा कपल अर्जुन और कायल के आस-पास घूमती है। दोनों की शादी टूटने की कगार पर है। दोनों अलग होने से पहले एक आखिरी यात्रा पर जाने का निर्णय लेते हैं, लेकिन उनकी यात्रा एक खतरनाक मोड़ पर उस समय आ जाती है, जब उनकी कार अजरबैजान के एक सुनसान इलाके में खराब हो जाती है। इस दौरान कायल रहस्यमय तरीके से गायब हो जाती है और अर्जुन उन्हें खोजने के लिए निकल पड़ता है। इस यात्रा के दौरान वह कई चौंकाने वाली घटनाओं का सामना करता है। यह फिल्म जॉनाथन मोस्टोव की ब्रेकडाउन से प्रेरित बताई जा रही है।

फिल्म के कलाकारों के बारे में बात करें तो, इसमें अजित कुमार के साथ-साथ अर्जुन सरजा, रेजिना कासांद्र, और आरव जैसी प्रमुख हस्तियां भी शामिल हैं। ओम प्रकाश ने फिल्म का छायांकन किया है। वहीं, एन बी श्रीकांत ने फिल्म का संपादन और अनिरुद्ध रविचंदर ने इसमें अपना संगीत दिया है।

टाइगर श्रॉफ बर्थडे पर फैंस को दिया तोहफा, बागी 4 का खूंखार पोस्टर रिलीज, खून से लथपथ दिखे बर्थडे बॉय

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के 35वें जन्मदिन के मौके पर मोस्ट अवेटेड एक्शन थ्रिलर बागी 4 के मेकर्स ने शानदार तोहफा देते हुए एक नया पोस्टर शेयर किया है. इससे पहले मेकर्स टाइगर और संजय दत्त के पोस्टर शेयर कर चुके हैं जिन्हें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में काफी खून खराबा दिखने को मिलेगा. वहीं हाल ही में रिलीज किया गया पोस्टर भी कुछ ऐसा ही है. पहले पोस्टर की तरह ही इस पोस्टर में भी टाइगर खूंखार लग रहे हैं जो खून से लथपथ है. पोस्टर में उनका आधा चेहरा ही दिखाई दे रहा है लेकिन वे देखने में काफी खौफनाक लग रहे हैं. इस पोस्टर में भी उनके किरदार रॉनी को एक इंटेंस और खूनी अवतार में दिखाया गया है. फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पर बागी 4 का पोस्टर रिलीज करते हुए कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे टाइगर श्रॉफ आपको एक्शन से भरपूर साल की शुभकामनाएं, रॉनी. पोस्टर में टाइगर सिगरेट पीते हुए कैमरे की तरफ एक इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं, उनके सिर से खून बहता हुआ उनके चेहरे पर दिख रहा है. इस पोस्टर पर लिखा है, इस बार वो पहले जैसा नहीं हैं. टाइगर श्रॉफ ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बागी 4 का नया पोस्टर शेयर किया और लिखा, जिस फ्रैंचाइज ने मुझे एक पहचान दी और मुझे खुद को एक एक्शन हीरो के रूप में साबित करने का मौका दिया, अब वही फ्रैंचाइज मेरी पहचान बदल रही है. इस बार वह निश्चित रूप से पहले जैसा नहीं है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप लोग उसे उसी तरह स्वीकार करेंगे और प्यार देंगे जैसे आपने 8 साल पहले दिया था.इस दमदार पोस्टर पर रिएक्शन देते हुए अर्जुन कपूर ने कमेंट किया, आतंक. मौनी रॉय ने कहा, बेस्टेस्ट. वहीं रेमो डिसूजा कमेंट में कई इमोजी शेयर करते हुए अपना प्यार जाहिर किया.

बागी 4 का निर्देशन कन्नड़ सिनेमा के जाने-माने फिल्म निर्माता ए. हर्षा ने किया है, जो हाई-एनर्जी एक्शन के साथ बड़े पैमाने फिल्म की अपील के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने इससे पहले भजरंगी (2013) और वज्रकाया (2015) जैसी हिट फिल्में दी हैं. इसे नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया गया है. फिल्म में टाइगर के साथ ही संजय दत्त और 2021 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीत चुकीं हरनाज कौर संधू भी हैं. बागी 4 सिनेमाघरों में 5 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है.

आज रिलीज होगा द पैराडाइज का टीजर, निर्माताओं ने नया पोस्टर जारी कर किया खुलासा

श्रीकांत ओडेला एक युवा निर्देशक हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म दशहरा से ही अपनी छाप छोड़ी थी, जिसमें नानी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म एक जबरदस्त हिट साबित हुई और नानी को बॉक्स ऑफिस पर पहली बार 100 करोड़ की सफलता मिली। श्रीकांत अब एक बार फिर नानी के साथ एक और पीरियड ड्रामा फिल्म द पैराडाइज के लिए सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर धूम मचाने के लिए तैयार तंडेल, 7 मार्च से नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की तंडेल ने 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होने के बाद सिनेमाघरों में धूम मचा दी थी। चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों से सराहना प्राप्त की। अब, यह कुछ ही दिनों में अपने डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने फिल्म की डिजिटल रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। तंडेल 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर कई भाषाओं में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए ओटीटी पार्टनर ने लिखा, सरहदों के पार का सफर, हदों से परे की कहानी। तंडेल को 7 मार्च को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में देखें।

तंडेल में राजू (नागा चैतन्य) बुज्जी (साई पल्लवी) नाम की लड़की से प्यार करता है। उनकी शादी से पहले वह उसकी सुरक्षा के लिए डरती है और उसे मछली पकड़ना बंद करने के लिए कहती है। ००

फ्रिज को सही तरीके से व्यवस्थित करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

फ्रिज का सही तरीके से उपयोग करना हमारे रोजमर्रा के जीवन में बहुत अहम है। जब हम अपने फ्रिज को सही तरीके से व्यवस्थित करते हैं तो न केवल खाने की चीजें ताजा रहती हैं, बल्कि समय और ऊर्जा की भी बचत होती है।

इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी टिप्स देते हैं, जिनसे आप अपने७ फ्रिज को अधिकतम क्षमता के साथ उपयोग कर सकते हैं।

समान वस्तुओं को एक साथ रखें

फ्रिज में समान प्रकार की चीजों को एक साथ रखना जरूरी है। जैसे सब्जियों को एक जगह पर रखें, डेयरी उत्पादों को दूसरी जगह पर और अंडे जैसी चीजों को अलग स्थान पर रखें।

इससे जरूरत पड़ने पर चीजें आसानी से मिल जाएंगी और आप अनावश्यक रूप से दरवाजा खोलकर समय बर्बाद नहीं करेंगे।

समान वस्तुएं एक साथ रखने से फ्रिज में जगह का सही उपयोग होता है और ठंडक भी बनी रहती है।

ऊपरी शेल्फ का सही उपयोग करें

फ्रिज की ऊपरी शेल्फ सबसे ठंडी होती है इसलिए यहां उन चीजों को रखना चाहिए जिन्हें जल्दी खराब होने का खतरा होता है, जैसे दूध और दही।

इसके अलावा यहां पेय पदार्थ भी रख सकते हैं ताकि वे ठंडे रहें। इस तरह आप अपनी खाने-पीने की चीजों का बेहतर प्रबंधन कर पाएंगे और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकेंगे।

यह तरीका आपके फ्रिज की क्षमता का सही उपयोग करने में मदद करेगा।

निचली शेल्फ पर भारी सामान रखें

निचली शेल्फ पर भारी सामान रखना फ्रिज के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

यहां आप बड़े कंटेनर या जार रख सकते हैं जिनमें सॉस या अन्य तरल पदार्थ होते हैं। इससे फ्रिज साफ-सुथरा रहता है और गंदगी फैलने की संभावना भी कम होती है।

इसके अलावा इस हिस्से में भारी सामान रखने से फ्रिज के अन्य हिस्सों में हल्की वस्तुएं रखने के लिए अधिक जगह मिलती है।

दरवाजे के हिस्से में हल्की वस्तुएं रखें

फ्रिज के दरवाजे वाले हिस्से में हल्की वस्तुएं रखना चाहिए क्योंकि यह हिस्सा सबसे कम ठंडा होता है।

यहां मसाले, सॉस की बोतलें, या जूस जैसी हल्की चीजें रख सकते हैं, जो जल्दी खराब नहीं होतीं। इससे आपके मुख्य हिस्से में ज्यादा जगह बचेगी और सब कुछ व्यवस्थित रहेगा।

दरवाजे पर हल्की चीजें रखने से फ्रिज खोलते समय सामान गिरने का खतरा भी कम होता है, जिससे आपका फ्रिज साफ-सुथरा रहता है।

नियमित सफाई करें

फ्रिज की नियमित सफाई करना बेहद जरूरी है ताकि उसमें कोई बदबू न आए और खाने-पीने की चीजें ताजी बनी रहें।

हर हफ्ते एक बार सभी सामान निकालकर फ्रिज को अच्छे से साफ करें। ध्यान दें कि जो भी सामान खराब हो चुका हो, उसे तुरंत फेंक दें।

इससे आपका फ्रिज हमेशा स्वच्छ रहेगा और खाने-पीने की गुणवत्ता भी बनी रहेगी।

आईब्रो थ्रेडिंग के बाद जलन होने पर अपनाएं ये नुस्खा, मिल सकती है राहत

खूबसूरत दिखने के लिए महिलाओं को बहुत सारे ताम-झाम से गुजरना पड़ता है. कभी उन्हें हाथ-पैर में वैक्सिंग करवाते समय दर्द झेलना पड़ता है तो कभी आईब्रो थ्रेडिंग के बाद जलन सहनी पड़ती है. आजकल महिलाओं के अलावा कई सारे पुरुष भी आईब्रो सेट कराते हैं. इसको करवाने के बाद चेहरा काफी अलग और अच्छा दिखने लगता है. थ्रेडिंग कराने में दर्द तो होता ही है, लेकिन उसके बाद कई लोगों को जलन भी होती है. अगर आपको भी ये दिक्कत है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. अगर थ्रेडिंग के बाद आपकी त्वचा लाल हो जाती है और उस पर जलन होने लगती है तो आपको कुछ नुस्खे अपनाने चाहिए. इनसे आपको काफी राहत मिलेगी. आइए जानते हैं इसके बारे में.

जलन होने पर एलोवेरा जेल लगाएं

आईब्रो थ्रेडिंग कराने के बाद अगर आपको जलन महसूस हो रही है तो आपको एलोवेरा जेल लगाना चाहिए. इससे त्वचा को ठंडक मिलेगी. एलोवेरा जेल को प्रभावित जगह पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें.

कॉटन बॉल से लगाएं गुलाब जल

अगर आपको जलन हो रही है तो आप गुलाब जल का इस्तेमाल करें. त्वचा को हाइड्रेटेड बनाता है. इसके इस्तेमाल के लिए कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगोकर आईब्रो के आसपास लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें. इससे भी आपको तत्काल राहत मिलेगी.

शहद करेगा जलन कम

शहद में पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल और मॉइश्चराइजिंग गुण जलन को कम करते हैं. हल्की मात्रा में शुद्ध शहद लें और जलन वाली जगह पर लगाकर 15 मिनट बाद धो लें.

प्रभावित जगह पर रखें खीरे की स्लाइस

जलन कम करने के लिए आप प्रभावित जगह पर खीरे की स्लाइस रखें. इसे 5-10 मिनट तक रखें. इसके बाद हटा दें. खीरे की प्राकृतिक ठंडक आपको राहत पहुंचाएगी.

सूजन और जलन तुरंत कम करने के लिए लगाएं आइस क्यूब

बर्फ लगाने से त्वचा की सूजन और जलन तुरंत कम होती है. इसके लिए एक साफ कपड़े में बर्फ का टुकड़ा लपेटकर आईब्रो के आसपास हल्के-हल्के 2-3 मिनट तक घुमाएं. ध्यान रखें कि बर्फ को सीधा त्वचा पर न लगाएं.

शब्द सामर्थ्य -344

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिड़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश चाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. सासु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

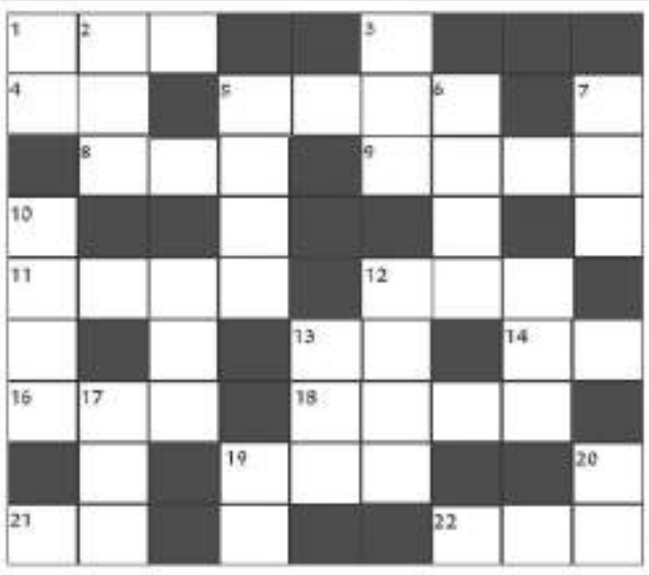

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 343 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना केण्ट में रात्रि शनि ठाकुर उम्र 32 वर्ष निवासी गुप्तेश्वर सेठी नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्राईवेट ड्रायवरी का काम करता है घर पर था उसके पिताजी शंकर सिंह राजपूत किसी काम से अपनी ड्यूटी स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एस व्ही 6131 से कलेक्ट्रेट कार्यलय गये थे, उसे शाम लगभग 6-15 बजे पितजी के मोबाइल नम्बर से फोन आया किसी व्यक्ति ने बताया कि आपके पिताजी को पुल नम्बर 3 आते समय गोलछा बारात घर के पास सदर में ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीए 9535 का चालक जो शिवाजी ग्राउण्ड से एम्पायर रोड की तरफतेज गति लापरवाही

समरंग यात्रा के साथ होगा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन-परंपरागत गीतों के साथ पारंपरिक व्यंजनों का होगा आनंद

रंगपंचमी पर संस्कारधानी खेलेगी समरसता की होली

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ''समरसता सेवा संगठन के संग सस्कारधानी में समरसता की होली'' का आयोजन आगामी 19 मार्च बुधवार को डी.एन.जैन कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा है यह जानकारी समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए गोपाल सदन में कही। पत्रकार वार्ता में महाकौशल चेंबर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी मंत्री श्री अखिल मिश्र, संगठन सचिव श्री उज्ज्वल पचौरी उपस्थित थे।

श्री जैन ने कहा भारतीय संस्कृति एवं सनातन परम्परा के अनुरूप ''सब सबको जाने - सब सबको माने'' के ध्येय को लेकर सनातन संस्कृति के सभी महापुरुषों के विचार प्रवाह में जुटी संस्था 'समरसता सेवा संगठन' सनातनी पर्वों की समरस छटा को बिखेरने का कार्य भी कर रही है। उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय मनीषा से परिचित कराने के साथ ही भारतीय मूल्यों एवं संस्कृति की याद दिलाना भी है। इसी सिलसिले में संगठन द्वारा विगत लगभग दो वर्ष मे 60 कार्यक्रमो के साथ - साथ ऐतिहासिक और यादगार कजलियां मिलन एंव गत वर्ष की समरसता होली भी आयोजित की जा चुकी हैं। इसी क्रम में समरसता सेवा संगठन द्वारा इस

बार लगातार दूसरे वर्ष रंग पंचमी के शुभ अवसर पर 'विराट समरसता होली' की संयोजना की जा रही है।

युग-युगांतर से होली पर्व समता और समरसता का त्योहार रहा है। होली पर आपस की असमता रूपी असुरता का दहन होता है, और एकता के समरस रंग बिखरते हैं।

श्री जैन ने कहा सनातन संस्कृति में समरसता का रंग गहरा करने वाला होली महापर्व इस बार संस्कारधानी के लिए और खास होगा। ''समरसता सेवा संगठन के संग सस्कारधानी में समरसता की होली'' का आयोजन आगामी 19 मार्च बुधवार को डी.एन.जैन कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा है। श्री जैन ने बताया इस रंगारंग महोत्सव के पूर्व 02:30 बजे से श्रीराम जानकी मंदिर छोटा फुहारा मिलौनीगंज से पूज्य संतो की अगुआई में भव्य 'समरंग यात्रा' भी निकाली जाएगी। इस यात्रा में व्यापक रूप से सर्वजाति समाज की सहभागिता होगी।

भाईचारे के इस प्रतीक पर्व होली को लेकर जनमानस की पहली प्रतिक्रिया यही होती है कि सारे 'गिले-सिकवे भूल कर दोस्तो दुश्मन भी गले मिल जाते हैं'। लेकिन हमारी संस्कृति में कोई दुश्मन नहीं है। श्री जैन ने कहा वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाली हमारी संस्कृति सबको साथ लेकर चलने की पक्षधर है। संगठन अपनी स्थापना के उद्देश्यों को साकार करते हुए रंगपंचमी पर समरसता और सद्भाव के रंगों से संस्कारधानी समरंग होगी। रंगपंचमी बुधवार 19 मार्च को छोटा फुहारा स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर से समरंग यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में पूज्य संतो के सानिध्य में सर्व जाति-समाज और सभी वर्गों के प्रबुद्ध और प्रमुख जन शामिल होंगे।

उन्होंने बताया यात्रा छोटा फुहारा से मिलौनीगंज चौक, सुभाष टाकीज, कोतवाली, कमानिया, बड़ा फुहारा, लार्डगंज, सुपर बाजार, मालवीय चौक होते हुए डी. एन. जैन. प्रांगण में संपन्न होगी। यात्रा मार्ग पर अनेक मंचों द्वारा यात्रा में शामिल झांकियों का स्वागत किया जाएगा। इस ऐतिहासिक होली के आयोजन में अवध, वृज एवं मषाने सहित देश के अन्य स्थानों की प्रसिद्ध होली की तर्ज पर कार्यक्रम कि रूपरेखा तैयार की जा रही हैं। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह सर्व समाज द्वारा फूलों की होली खेली जाएगी।

समरंग यात्रा के समापन स्थल में होगी सांस्कृतिक संध्या

श्री जैन ने बताया डी.एन. जैन प्रांगण में यात्रा समापन अवसर पर विशाल समरसता होली महोत्सव में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। यात्रा समापन स्थल पर सांस्कृतिक समरसता होली की संयोजना है। आयोजन में परंपरागत राई-फाग की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ फूलों एवं गुलाल के रंग बिखरेंगे।

उन्होंने कहा सभी समाजों की परंपराओं और रीति रिवाजों के दर्शन इस दौरान एक स्थान पर ही हो यह प्रयास किया जा रहा हैं। समापन पर देश की विविध संस्कृतियों के अनुरूप स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका भी होगा। समारोह में बच्चों-बड़ों, महिलाओ की बड़ी संख्या में सहभागिता होगी।

श्री जैन ने बताया सभी जाति समाजो के संगठनों से आग्रह है कि, शोभायात्रा मार्ग पर अपने अपने संगठन के मंच लगाकर इस ऐतिहासिक होली महोत्सव में अपनी सहभागिता करें और मंचो पर होली से संबंधित आकर्षक झांकी भी बनाये। संगठन उत्कृष्ट झांकियों को पुरूस्कृत भी करेगा।

श्री जैन ने कहा समरसता सेवा संगठन आप के माध्यम से समस्त संस्कारधानी वासियो से यह आव्हान करता है कि आईये हम सभी मिल-जुल कर जबलपुर के इस ऐतिहासिक आयोजन की संकल्पना को साकार करते हुए, संस्कारधानी कि गरिमा के अनुरूप पूरी भव्यता से आयोजन को सफल बनाए।

दसवीं के संस्कृत विषय के पेपर मे 583 बच्चें रहे अनुपस्थित, कोई भी नक़ल प्रकरण नहीं बना

(आज 7 अप्रैल को रहेगा बारहवी का /क्रॉप प्रोडक्शन /स्टील लाइफ /शरीर रचना क्रिया विज्ञान विषय का पेपर)

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर जिला मे माशिमं के द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा का संस्कृत विषय का पेपर हुआ ।जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी ने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केन्द्रो मे शांतिपूर्वक परीक्षा आयोजित हुई, जिले मे कही भी कोई नक़ल प्रकरण नहीं बना हैं। संस्कृत प्रश्नपत्र मे शहर के 374 परीक्षार्थी एवं ग्रामीण क्षेत्र के 209 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार शहर एवं ग्रामीण को मिलाकर कुल 583 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार कक्षा बारहवी के ड्राइंग एवं डिज़ाइन के पेपर मे कुल 14 परीक्षार्थी मे से सभी परीक्षार्थी उपस्थित रहे, कोई भी बच्चा अनुपस्थित नहीं रहा। सभी परीक्षा केन्द्रो मे कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति मे ऑनलाइन डुश्श के माध्यम सें निगरानी रखते हुए पेपर हुआ। पुलिस थाने एवं परीक्षा केंद्रों मे कलेक्टर प्रतिनिधि एवं केन्द्राध्यक्ष के आपसी समन्वय से सभी कार्य आसानी से शांतिपूर्वक सम्पादित किए गए। जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी के द्वारा परीक्षा केंद्र शा कन्या बरेला, शा बालक बरेला एवं शासकीय उमावि धनपुरी स्कूल का निरिक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी जगह व्यबस्थित परीक्षा संचालित पायी गयी। कोई नक़ल प्रकरण नहीं पाया गया। कलेक्टर महोदय द्वारा गठित उड़न दस्ता दल मे एसडीएम अधारताल के दल के द्वारा विनिंग स्कूल महाराजपुर एवं सीएम राइज विद्यालय अधारताल का निरीक्षण किया गया। एसडीएम रांझी के दल के द्वारा शास हाई स्कूल बेलबाग़ एवं शा उमावि व्योहारबाग़ का निरीक्षण किया गया.। एसडीएम पनागर के दल द्वारा शा उमावि बेलखाडू एवं शा हाई स्कूल कालाडूमर का निरीक्षण किया गया। एसडीएम गोरखपुर के दल के द्वारा शा सहशिक्षा गढ़ा स्कूल एवं हितकारिणी विद्यालय का निरीक्षण किया गया। एसडीएम कुण्डम के द्वारा शा विद्यालय कन्या कुण्डम, शा विद्यालय जम गाँव एवं शा विद्यालय पड़रिया का निरीक्षण किया गया। एसडीएम पाटन श्री मानवेन्द्र सिंह के द्वारा सीएम राइज विद्यालय पाटन, शा कन्या विद्यालय पाटन का निरीक्षण किया गया। एसडीएम शहपुरा श्री कुलदीप पाराशर के द्वारा कन्या शाला शहपुरा का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर के निर्देश पर विकासखंड स्तर पर सभी सहायक संचालक शिक्षा क्ष्श्रह के द्वारा भी सभी ब्लॉक मे सघनता से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। सभी निरीक्षण के दौरान किसी भी केंद्र मे कोई भी अनियमितता नहीं पायी गयी एवं कोई भी नक़ल प्रकरण नहीं बना।

7 मार्च को बारहवी का विषय अनुसार पेपर

7 मार्च को कक्षा बारहवी कका परीक्षा केंद्रों पर विषय अनुसार पेपर रहेगा, जिसमे भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन, स्टील लाइफ, शरीर रचना क्रिया विज्ञान शामिल हैं।

संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह ने राजस्व वसूली के लिए की बड़ी कार्रवाई

जबलपुर। नगर निगम द्वारा सभी 79 वार्डो में राजस्व वसूली अभियान बड़ी जोर शोर से चलाया जा रहा है। वसूली अभियान के दौरान जिन करदाताओं के द्वारा बकाया करों की राशि समय पर जमा नहीं की जाती है उनके विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई के साथ-साथ भवन एवं प्रतिष्ठानों में भी तालाबंदी करने की लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा उनके नाम भी सार्वजनिक किये जा रहे हैं। आज इसी तरतम्य में निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार संभागीय अधिकारी एवं बाजार अधीक्षक दिनेश प्रताप सिंह के द्वारा संभाग क्रमांक 2 के अंतर्गत मदन महल वार्ड में बकायादारों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की गयी। कार्रवाई के संबंध में संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संभाग क्रमांक 2 के अंतर्गत मदन महल वार्ड में बकायादार सत्यप्रकाश, देवी सिंह, राजेन्द्र सिंह पर 2 लाख 12 हजार 2 सौ 53 रूपये बकाया होने पर लगातार नोटिस जारी किये गए, परन्तु भवन स्वामी द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की गयी, जिस कारण भवन स्वामी के विरूद्ध कुर्की कर तालाबंदी की की कार्रवाई की गयी। जिसपर भवन स्वामी द्वारा कार्यवाही के समय ही 80 हजार रूपये की राशि नगद जमा की गयी तथा शेष राशि लोक अदालत के समय जमा करने कहा गया।

नगर परिषद पाटन में एसडीएम के नेतृत्व में नगर के विभिन्न दुकानों में ट्रेड लाइसेंस चेकिंग की गई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आज दिनांक नगर परिषद पाटन में एसडीएम महोदय श्री मानवेंद्र सिंह जी के नेतृत्व में नगर के विभिन्न दुकानों में ट्रेड लाइसेंस चेकिंग की गई , साथ ही नगर की विभिन्न दुकान में ट्रेड लाइसेंस नहीं होने पर चालानी कार्यवाही भी की गई, तथा दुकानदारों को ट्रेड लाइसेंस बनाने के लिए बोला गया। इस कार्यवाही में कुल 77000 रुपए की जुर्माना वसूली की गई ।

इस कार्यवाही में जयपाल स्टोर , आशीष कंप्यूटर, जय अंबे इलेक्ट्रिकल्स, भाटिया ब्रदर्स, श्रीराम फर्टिलाइजर, रणधीर सिंह ठाकुर, ठाकुर होटल, सहित अन्य दुकानों पर कुल 26500 की वसूली ट्रेड लाइसेंस न होने पर जुर्माना एवं सिंगल यूज प्लास्टिक , व्हाइट स्पॉट, रेड स्टॉप पाए जाने पर , प्लास्टिक के एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग, दुकान के सामने कचड़ा पाए जाने, एक्सपायरी तिथि की सामग्री पाए जाने पर अन्य दुकानदारों पर राशि रुपए 50500 का जुर्माना किया गया। इस कार्यवाही के दौरान, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती जयश्री चौहान एवं एसडीएम कृषि विभाग इंद्रा त्रिपाठी जी एवं अन्य नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित थे।

अकाल मृत्यु

जबलपुर / थाना गोसलपुर में आज दिनांक 5-3-25 को रेल्वे स्टेशन गोसलपुर से प्वाइंटस मेन राजू कुमार गुप्ता उम्र 25 वर्ष ने सूचना दी कि आज शाम लगभग 4-30 बजे एक युवक जुझारी गेट के पास टेऊन के सामने आकर लेट गया जिसकी टेऊन से कटकर मृत्यु हो गयी हैं सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा अज्ञात मृतक की शिनाख्तग के प्रयास किये गये जिस पर मृतक की पहचान गोलू उर्फ लेखराम पटैल उम्र 27 वर्ष निवासी टिकरिया कोपा मोहल्ला गोसलपुर के रूप में हुयी। मर्ग कायम कर जाच मे लिया गया।

जबलपुर सिक्ख संगत ने पत्र लिख कर प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया

विश्वविख्यात सिक्ख तीर्थस्थल हेमकुण्डसाहिब में रोप-वे परियोजना से सिक्खों में हर्ष व्याप्त

जबलपुर / सिक्खों के विश्व प्रसिद्ध सिक्ख तीर्थ स्थल श्री हेमकुण्डसाहिब चमोली, उत्तराखंड में 2730.13 करोड़ की लागत से रोप-वे परियोजना की मंजूरी देने पर जबलपुर के सिक्ख समाज की शिरोमणी संस्था जबलपुर सिक्ख संगत के प्रधान एवं पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन,सरदार हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू ने एक पत्र लिखकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं भारत सरकार के इस कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया है। मीडिया प्रभारी स. प्रदीप सिंह भोगल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि, श्री हेमकुण्डसाहिब सिक्खों के दसवें गुरू एवं खालसा पंथ के सृजक श्री गुरू गोबिंद सिंह जी की तपोभूमि रही है। जिसके द्वार मई से सितम्बर के बीच साल में लगभग 5 माह के लिए खुलते हैं। देश विदेश से लगभग दो लाख तीर्थयात्री यहाँ गोविंद घाट से 21 किलोमीटर की चुनौतिपूर्ण चढ़ाई पैदल, टट्टू, अथवा पालकी द्वारा तय करते हैं, जिसमें तकरीबन दो दिन लग जाते हैं। वहीं,रोप-वे से अब यह यात्रा महज कुछ ही घंटों में पूर्ण हो सकेगी । इस हेतु विश्व भर के सिक्खों में हर्ष व्याप्त है। इसके साथ ही उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुश्कर सिंह धामी को पत्र की प्रतिलिपि भेजकर हाल ही में हुए भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुए गोविंद घाट, हेमकुण्ड के अस्थाई पुल के शीघ्र ही पुनर्निर्माण की अपील भी की गई है। दो दिन पहले ही यह पुल एक विशाल शिला खंड के गिरने से पूरी तरह से टूट गया है। गोबिंद घाट से आगे बढ़ने का यही एकमात्र मार्ग है।

समाज के साथ ही देश की भलाई के लिए हमें आगे आना चाहिए-सैय्यद आशिक अली

तालिब हुसैन

पसमांदा मुस्लिम महासंघ की बैठक सम्पन्न

उज्जैन/जबलपुर. राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक उज्जैन में आयोजित की गयी उज्जैन सम्भाग अध्यक्ष पत्रकार समाजसेवी सैय्यद आशिक अली ने बैठक की अध्यक्षता की. उन्होंने कहा पसमांदा महासंघ के प्रत्येक सदस्य को समाज के साथ ही देश की भलाई के लिए आगे आना चाहिए. उन्होंने कहा समय आ गया है कि हम तमाम मतभेदों को भूलकर एक जुट होकर अपनी जिम्मेदारी को निभाएं. इस मौके पर अनेक सामाजिक मुद्दों पर विचार मंथन हुआ साथ ही उज्जैन जिला अध्यक्ष सलीम खान टोपी वाला को हिदायत दी गयी कि वह प्रदेश अध्यक्ष की बिना सहमति के कोई नीतिगत निर्णय नहीं लें, वरना उनपर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. उज्जैन ग्रामीण अध्यक्ष रशीद मंसूरी, अहमद खान, वहीद मंसूरी, शाहनवाज़ खान, साबिर खान सहित कई वक्ताओं ने बैठक को सम्बोधित करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए.

सी एम यादव, एवं पं धीरेंद्र शास्त्री ने नव विवाहित युगल अनुज और अमीषा को दिया आशीर्वाद

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल, राकेश सिंह, दर्शन सिंह चौधरी, एवं अन्य हस्तियों ने पहुंच कर बधाइयां दी

गाडरवारा/बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम लोलरी में गाडरवारा विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के नव विवाहित पुत्र अनुज प्रताप सिंह, एवं अमीषा को दांपत्य एवं सुखमय जीवन की बधाइयां दी इस मौके पर उनके साथ प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व श्रम मंत्री पहलाद पटेल, लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह, नरसिंहपुर होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी, विधायक विश्वनाथ पटेल, महेंद्र नागेश, पूर्व विधायक संजय शर्मा, नरसिंहपुर नगर पालिका अध्यक्ष पं नीरज महाराज भाजपा जिला अध्यक्ष राम स्नेही पाठक, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, देवेंद्र पटेल गुड्डू भैया, अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य जन मौजूद रहे, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक मिर्गाखी डेका, सहित नरसिंहपुर के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शादी समारोह में पहुंचकर बधाइयां दी

गाडरवारा से बड़ी संख्या में शादी समारोह में पहुंचे लोग

कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के पुत्र अनुज प्रताप सिंह के शादी समारोह आयोजन में गाडरवारा से एसडीएम कलावती बयारे, डीएसपी रत्नेश मिश्रा, थाना प्रभारी विक्रम रजक, विद्युत विभाग से ए ई शुभम मेहरा पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा, दीनदयाल ढिमोले, पूर्व विधायक नरेश पाठकएक्स, श्रीमती साधना स्थापक, उद्योगपति राजेश महेश्वरी,नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा,घनश्याम राजपूत, रवि शेखर जयसवाल,मिनेंद्र डागा, जिनेश जैन,नवनीत पलोड़,चंद्रकांत शर्मा, राव संदीप सिंह, डॉ योगेश कौरव, अशोक भार्गव, कमल कोचर,रितेश राय, सुरेंद्र गुर्जर, कमल खटीक प्रवेश राय, चंचल कोरी, कमलेश विश्वकर्मा, रामेश्वर धानक, मंगल जाटव, सतीश सैनी,वेदांश महेश्वरी,सुनील ठाकुर,सोहेल खान नेता, सिराज सिद्दीकी,पत्रकारों में वरिष्ठ पत्रकार रवि खजांची, पुखराज पांडे, अब्दुल फिरोज खान,मकसूद खान,अरुण श्रीवास्तव,राजेश नीरस, राजेंद्र मेहरा, संजय गुप्ता, मनोज साहू, अशोक विश्वकर्मा,ने खुशियों का इजहार करते हुए बधाइयां दी

गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का संचालन कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से गुजरेगी

जबलपुर- होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन 01-01 ट्रिप के लिए चलाई जा रही है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के दोनों दिशाओं में कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गुजरेगी। गाड़ी संख्या 08895 गोंदिया-छपरा स्पेशल ट्रेन दिनांक 11 मार्च 2025 को गोंदिया स्टेशन से सायं 17ः00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन कटनी भोर 04ः40 बजे, मैहर 06ः38 बजे, सतना 07ः10 बजे, प्रयागराज छिवकी 10ः10 बजे पहुँचकर अन्य स्टेशनों से होते हुए और रात 19ः00 बजे छपरा स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 08896 छपरा-गोंदिया स्पेशल ट्रेन दिनांक 12 मार्च 2025 को छपरा स्टेशन से रात्रि 22ः15 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन प्रयागराज छिवकी भोर 04ः00 बजे, सतना सुबह 08ः45 बजे, मैहर 09ः18 बजे, कटनी 10ः10 बजे पहुँचकर अन्य स्टेशनों से होते हुए और रात्रि 23ः45 बजे गोंदिया स्टेशन पहुंचेगी।

यदि ईश्वर ने आपको योग्य बनाया है कि आप दूसरों की मदद कर सकते है तो जरूर करे. रक्तदान करे किसी को जीवन दान करें

जबलपुर! जबलपुर निवासी अर्थव मिश्रा उम्र 17 साल थैलेसीमिया से पीड़ित है इसको हर 15 दिनों में ब्लड लगता है और शुभम अवस्थी हर तीन महीने में इनको ब्लड देते है शुभम अवस्थी का कहना है कि नही पता क्या रिश्ता है अर्थव से आज अर्थव को 8 वी बार ब्लड डोनेट किया भाई अर्थव थैलेसीमिया से पीड़ित है हर तीन महीने में इसके पिता जी श्री अमित मिश्रा जी का मुझे 2 दिन पूर्व ही कॉल आ जाता है और मैं पिछले 2 साल से इनको रेगुलर ब्लड दे रहा हूँ अपने जीवन मे आज 54 बार ब्लड डोनेट किया

पमरे का एक मात्र मान्यता प्राप्त संगठन वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ का 12वॉ

पमरे का एक मात्र मान्यता प्राप्त संगठन वेस्ट सेन्ट्रल रेल मजदूर संघ का दो दिवसीय द्विवार्षिक अधिवेशन सम्मपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। दो दिवसीय द्विवार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन आज 06 मार्च 2025 विशाल यूथ व महिला सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ । यूथ सम्मेलन में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री सौरभ नाटी शर्मा ने शिरकत की। उन्होने इस अवसर पर कहा कि कर्मचारियो की व्वै की मांग पर रेल कर्मचारियो व ॅब्डै के साथ है। उनका संगठन भी व्वै को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने केलिए सघर्ष कर रहा है । संघ के अध्यक्ष श्री सी.एम. उपाध्याय, संघ के महामंत्री श्री अशोक शर्मा ने कर्मचारियो को आश्वत किया कि व्वै की मांग को लेकर 7 मार्च से 21 मार्च तक अखिल भारतीय विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। यूथ सम्मेलन में जोनल तथा जबलपुर, कोटा, भोपाल मंडलो का यूथ मंडल अध्यक्ष मंडल सचिव ने यूथ कर्मचारियो की मांगो के प्रस्ताव पारित किये ।तत्पश्चात अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सम्मेलन में श्रीमति ऊषा मोहकर- मुख्य अतिथि ,डॉ. सीमा मेहरा व श्रीमति अंजली स्वामी विशिष्ठ अतिथि के रूप् में उपस्थित , रेल महिला कर्मचारियो की मॉगो के प्रस्तावो का समर्थन करते हुये महिलाओ के हितो को सुरक्षित किया जायेगा । महिला संरक्षक श्रीमति डॉ. गीता पांडे, डिपंल नायर , विजय लक्ष्मी गुप्ता, विजय लक्ष्मी गुप्ता वंदना विरूवकर्मा दुर्गा तिवारी रजिया वेगम , नम्रता सोलंकी आदि ने रेल महिला कर्मचारियो की मॉगो को बुलंद किया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार में सपन खान उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम उमरिया थाना खमरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है आज सुबह लगभग 11-30 बजे प्रोपराइटर राजेश महावर की लोडिंग आटो क्रमांक एमपी 20 जेड एल 3942 को भारत गैस गोदाम के आगे भीटा रोड़ के किनारे लोडिंग आटो की साफसफाई कर रहा था तभी भोंगाद्वार भीटा तरफसे आ रही 407 वाहन क्रमांक एमपी 22 जी 2413 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये लोडिंग आटो में सामने से टक्कर मार दिया

दोनों दोस्त स्कूल में होली खेलकर नहाने गए थे; लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी

8वीं कक्षा के छात्रों के शव गोपाल बाग में मिले

पवन और वैभव तालाब में डूबे थे-शव 16 घंटे बाद कांटे से निकाले गए-घटना से पहले दोनों ने होली खेली थी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित गोपाल बाग तालाब में डूबे दो छात्रों में एक का शव आज सुबह तलाश के दौरान मिल गया है. वहीं दूसरे साथी की तलाश की जा रही है. दोनों छात्र होली खेलने के बाद तालाब में नहाने के लिए गए थे. पुलिस अधिकारियों के अनुसार स्कूल में पढने वाले आठवीं कक्षा के छात्रों का संस्कृत का पेपर रहा. पेपर देने के बाद सभी छात्रों ने स्कूल में जमकर होली खेली. जिसके चलते चार दोस्त नहाने के लिए गोपाल बाग तालाब पहुंच गए. शाम 4 बजे के लगभग वैभव, पवन व उसके दो साथियों ने किनारे बैठकर कपड़े धोए, इसके बाद तालाब में नहाने के लिए कूद गए, नहाते वक्त गहराई में जाकर डूब गए. वैभव व पवन को डूबते देख साथी छात्र डर के कारण भाग गए. कुछ देर बाद आसपास रहने वाले लोगों ने तालाब किनारे चप्पल, कपड़े व परीक्षा के पेपर भी मिले. जिससे यह अंदेशा हुआ कि यहां पर कोई पानी में डूबा है. स्थानीय लोगों ने काफी देर तक तालाब के किनारे बच्चों को खोजने की कोशिश की लेकिन जब वे नहीं मिले तो पुलिस को सूचना दी गई. खबर मिलते ही रात दस बजे के लगभग पुलिस पहुंच गई. आज सुबह से फिर तलाश शुरु की गई, कुछ देर बाद वैभव उम्र 14 वर्ष का शव मिल गया. वहीं पवन की तलाश अभी भी जारी है. घटना को लेकर क्षेत्र में सुबह से ही चर्चाओं का माहौल बना रहा. वहीं वैभव के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल रहा.

मृतक छात्रों में हनुमानताल खाई मोहल्ला निवासी पवन कोरी (14) और बाबा टोला कोरी मोहल्ला निवासी वैभव कोरी (14) है। दोनों तमरहाई स्कूल में कक्षा आठवीं के छात्र थे। बुधवार को उनकी बोर्ड परीक्षा समाप्त होने पर दोनों ने अपने मित्रों के साथ स्कूल के बाहर होली खेला। घर जाने से पूर्व रंग-गुलाल छुड़ाने के लिए शाम को लगभग पांच बजे गोपाल बाग तलैया में नहाने गए। उनके साथ दो और छात्र थे। नहाने के दौरान वैभव और पवन गहरे पानी में चले गए और डूब गए थे। घटना से दूसरे दो छात्र घबरा गए। किसी को कुछ बताए बिना घर चले गए।

तट पर मिले कपड़े और प्रश्न पत्र से शुरू हुई तलाश

तलैया के आसपास रहने वाले कुछ लोगों की देर शाम तट किनारे रखे एक टी शर्ट, एक शर्ट और एक-एक जोड़ी जूते-चप्पल पर पड़ी। उन्हें अनहोनी की आशंका हुई।

पूछताछ में कुछ लोगों ने शाम को तलैया में चार स्कूली छात्रों को नहाते देखे जाने की जानकारी की। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। उसके बाद रात में पुलिस ने जांच शुरू की।

तलैया किनारे मिले एक शर्ट के पास सौ रुपये और आठवीं कक्षा का संस्कृत का प्रश्न पत्र रखा मिला, जिसके आधार पर पुलिस तलाश करते हुए छात्रों के मित्रों और परिजन तक पहुंची। साथी छात्रों ने दोनों नहाने के दौरान डूबने की जानकारी दी। तलैया में तुरंत तलाशी शुरू की गई। एसडीआरएफ एवं पुलिस ने देर रात तक रेस्क्यू किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। छात्रों को पता नहीं चलने पर गुरुवार को सुबह दोबारा तलाशी अभियान चलाया गया।

कांटा डालकर शव बाहर निकाला

तलैया में कीचड़ होने के कारण तलाशी अभियान में पुलिस और एसडीआरएफ को समस्या हुई। गोताखोर तलैया में उतर नहीं सकें। उसके बाद पानी के अंदर कांटा फेंकने का निर्णय किया।

कई बार प्रयास करने पर घटना के लगभग 16 घंटे बाद गुरुवार को सुबह वैभव का शव कांटे में फंसा। उसे बाहर निकाला गया। उसके बाद शाम को चार बजे तक प्रयास जारी रहे। उसके बाद पानी में डूबे पवन का शव कांटे से बाहर निकाला जा सका।

जूता-चप्पल मिलने से सनसनी

दोनों वहां से साथ घर के लिए निकले। लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचे। उधर, गोपाल बाग तलैया के किनारे दो जोड़ी कपड़े, जूता-चप्पल मिलने से सनसनी फैल गई। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। तो तलाशी अभियान शुरू किया गया। आशंका है कि वे रंग साफ करने के लिए तलैया में नहाने उतरे थे और डूब गए।

जेब में 100 का नोट और संस्कृत का पेपर

तलैया के किनारे मिले शर्ट की जेब में 100 का नोट और कक्षा आठवीं का संस्कृत विषय का पेपर निकला। आशंका है यह उन्हीं में से एक छात्र का है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची जांच शुरू की। इस दौरान पवन और वैभव के एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि वे दोनों आखिरी बार उसे तालाब के पास दिखे थे। हालांकि देर रात तक दोनों कुछ पता नहीं चल सका। देर रात तक तालाब में एसडीआरएफ की टीम के साथ छात्रों की तलाश की जाती रही लेकिन एक का ही पता चल सका है।

जेल से बाहर आते ही गवाहों को धमकाने पहुंचा हत्या का आरोपी, भीड़ ने पकड़कर पीटा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित कजरवारा गोराबाजार क्षेत्र में उस वक्त हड़कम्प मच गया. जमानत पर जेल से बाहर आते ही संगम पाराशर ने तलवार लेकर गवाहों को धमकाना शुरु कर दिया. संगम को लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिन्होने संगम को पकड़कर बुरी तरह पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार कटंगा में रहने वाले युवक संगम पाराशर का कजरवारा गोराबाजार निवासी रुबी से विवाह हुआ था. उनके दो बेटे नैतिक व अंश है. संगम हमेशा ही पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था. यही वजह थी कि दोनों की अक्सर लड़ाई भी होती थी. पति से परेशान होकर रूबी दोनों बेटों को लेकर मायके में माता.पिता के साथ रहने लगी. वर्ष 2022 में संगम अपनी पत्नी को मनाने के लिए उसके मायके पहुंचा. जहां पर दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ. इस दौरान संगम ने गुस्से में आकर पत्नी रुबी पर राड से हमला कर हत्या कर दी. इस मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटों में पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया. मौके पर मौजूद पड़ोसी और रूबी के माता-पिता के बयान के आधार पर संगम को कोर्ट में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया.

तीन साल तक जेल में रहने के बाद पिछले दिन संगम जमानत पर छूटकर जेल से बाहर आया और पत्नी की हत्या के मामले में गवाही देने वालों को धमकाने के लिए तलवार लेकर उनके पास पहुंच गया. संगम को तलवार लेकर गाली गलौज करते देख आसपास के लोग घरों से बाहर आ गए. जिन्होने संगम पाराशर को समझाइश देने की कोशिश की इसके बाद भी जब नही माना तो लोगों ने पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया.

सड़क दुर्घटना

जबलपुर- थाना बरेला में रात्रि सुनील तिवारी उम्र 47 वर्ष निवासी करमेता माढोताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह प्राईवेट काम करता है वह उसके छोटे भाई वीरेन्द्र तिवारी के साथ बरेला से अपने प्लाट पर भवन निर्माण संबंधी काम कराने के लिये तीन मजदूर समीर गोंड़, अमित सिंह गोंड़, राम सिंह गौंड़ को लेकर गया था शाम को काम समाप्त करने के बाद उसका भाई वीरेन्द्र तिवारी और समीर एवं अमित सिंह प्लाट के बाहर निकलकर घर जाने के लिये रोड़ किनारे खड़े होकर आपस में बातें कर रहे थे ।

एयरगन से फायर कर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी की तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना शहपुरा में तोड़ल सिंह लोधी उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम भीटा शहपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है गांव के केश्व लोधी से उसकी लगभग 2 वर्ष से बुराई चल रही है दिनांक 5-3-25 को शाम लगभग 6 बजे अपने घर से प्रेश होने के लिये खिरका तरफ गया था खिरका में केशव लोधी अपने हाथ में एयर गन लिये दिखा जो उसे देखकर गाली गलौज करते हुये बोला कि आज मिला तुझे बताता हूँ कहकर उसे जान से मारने की नियत से एयर गन उसकी तरफ चला दिया एयर गन से निकला छर्रा उसे दाहिने पैर के घुटने में लगा है। केशव लोधी जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा घटित हुई घटना को गम्भीरता से लेते हुये आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु आदेशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री सूर्यकांत शर्मा एवं एसडीओपी पाटन श्री लोकेश डाबर के मार्गनिर्देशन में थाना प्रभारी शहपुरा श्री जितेन्द पाटकर के नेतृत्व में टीम गठित कर लगायी गयी।

मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश

जबलपुर- थाना बेलबाग में देर रात श्रीमती रेखा खनोटिया उम्र 35 वर्ष निवासी गलगला टोरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह नगर निगम मे मजदूरी करती है दिनांक 5-3-25 की रात लगभग 11-30 बजे अपने पति के साथ शादी समारोह से लौट रही थी

मादक पदार्थ गांजा के कारोबार में लिप्त 2 आरोपी पुलिस गिरफ्त में,17 किलो 176 ग्राम गांजा कीमती लगभग 3 लाख 45 हजार रुपये का जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी बरेला विजय कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि नरसिंह मंदिर पुलिया के पास मंडला रोड़ बरेला में क्राईम ब्रांच एवं थाना बरेला की टीम को वाहन चैकिंग के दौरान शाम लगभग 6-20 बजे 2 युवक किसी वाहन का इंतजार करते हुये खडे दिखे, एक व्यक्ति के हाथ में 2 काले रंग के बैग तथा दूसरे व्यक्ति के हाथ में 2 नीले रंग के बैग रखे थे जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किये जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया, दोनों ने पूछताछ पर अपने नाम सागर उर्फ गोपाल धारकर उम्र 22 वर्ष निवासी बम्बादेवी मंदिर के पास घमापुर एवं रवि महोबिया उम्र 26 वर्ष निवासी पानी की टंकी के पास कलारी के बाजू से घमापुर चौक थाना बेलबाग बताये, चारों बैगों को चैक करने पर बैगों के अंदर 8 बंडल सैलो टेप से लिपटे हुये पैक मिले, पैकिटों को खोलकर चैक करने पर सभी 8 पैकटों में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला, एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये तौल करने पर 17 किलो 176 ग्राम गांजा कीमती लगभग 3 लाख 45 हजार रूपये का होना पाया गया आरोपियों के कब्जे से 17 किलो 176 ग्राम गांजा जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध थाना बरेला में धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये उक्त गांजा कहॉ से और कैसे प्राप्त किया के सम्बंध में पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम,जबलपुर

पत्र क्रं./बा.वि./2025/1903 दिनांक 06/03/2025

दुकान नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री शाहनवाज, पिता श्री महफूज अहमद** द्वारा **आवेदन पत्र,एवं विक्रय पंजीयन पत्र** के आधार पर निगम स्वामित्व की **आधारताल छोटी दुकानें मार्केट दुकान क्रं. 07 में** नया अनुज्ञप्तिधारी के रूप पर नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया हैं। जिस किसी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन की तिथि से **15 दिवस में कार्यालय बाजार अधीक्षक, कमरा नं.57 नगर निगम जबलपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाजार अधीक्षक
नगर निगम जबलपुर

संभागीय कार्यालय संभाग क्रं-15 सुहागी,नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्रं./ संभा.अधि./ राजस्व./ **M 119**/2024-25 दिनांक 06/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्रीमती तृप्ति कोष्टा, पिता- श्री दीनानाथ कोष्टा** के द्वारा **वार्ड क्रं. 72 दादा ठनठनपाल वार्ड** के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्र. 1004379529 के पंजीकृत स्वामी स्वर्णिमा आचार्य, पिता श्री शरद आचार्य, के नाम से दर्ज ई.डब्लू.एस. प्लाट नं. 11 का प्लाट एरिया 360 जिसका मौजा रिमझा खसरा नं. 1 के भाग में स्थित प्लाट, , **विक्रय/क्रय** की गई संपत्ति पर निम्न दस्तावेजों- **ई-पंजीयन प्रमाण पत्र, संपत्ति लेजर रिपोट, आधार कार्ड एवं राजस्व नामांतरण शुल्क** के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिस किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रं- 15 सुहागी** में दस्तावेज / प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी (राजस्व)
संभाग क्रमांक 15 सुहागी
नगर पालिक निगम जबलपुर

संभागीय कार्यालय संभाग क्रं-15 सुहागी,नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्रं./ संभा.अधि./ राजस्व./ **M 120**/2024-25 दिनांक 06/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्रीमती तृप्ति कोष्टा, पिता- श्री दीनानाथ कोष्टा** के द्वारा **वार्ड क्रं. 72 दादा ठनठनपाल वार्ड** के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्र. 1004425398 के पंजीकृत स्वामी श्रीमती सीमा आचार्य पति श्री शरद आचार्य के नाम से दर्ज ई.डब्लू.एस. प्लाट नं. 12 अनमोल परिसार रिमझा का प्लाट एरिया 360 जिसका मौजा रिमझा खसरा नं. 1 के भाग में स्थित प्लाट, , **विक्रय/क्रय** की गई संपत्ति पर निम्न दस्तावेजों- **ई-पंजीयन प्रमाण पत्र, संपत्ति लेजर रिपोट, आधार कार्ड एवं राजस्व नामांतरण शुल्क** के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिस किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रं- 15 सुहागी** में दस्तावेज / प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी (राजस्व)
संभाग क्रमांक 15 सुहागी
नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/09/2024-25/ एम/702/ दिनांक 05.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती दयाबाई वंशकार, पति- हीरोलाल वंशकर** ने मकान नं. 2203/2 पिन नं.1000483155 **वार्ड सिद्धबाबा वार्ड** , भूतल सीमेंट टीन 400 व.फु., **शपथ पत्र,नोटरी विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 2203/2 पूर्व पार्षद लक्ष्मी बेन के मकान के पास पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-09 लालमाटी नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-09 लालमाटी
नगर निगम जबलपुर

रूपयों की मांग करते हुये धमकाने वाले आरोपी पित-पुत्रों की तलाश

जबलपुर- थाना अधारताल में श्रीमती सालिनी रायबोले उम्र 35 वर्ष निवासी रविन्द्र नगर धनी की कुटिया के पास अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अपनी स्विफ्ट कार से अपने घर आ रही थी जैसे ही अपने घर के पास पहुँची तो पड़ौस में रहने वाले विवयन नरोना एवं उनके दोनों लड़के विनैनस उर्फ बेटू नरौना , ऐरिक नरोना ने उसकी कार रोकी और उसे डराते हुये उससे पैसों की मांग करने लगे, उसने पैसे देने से मना किया और घर आ गयी तो तीनों उसके घर की बाजू वाली दिवाल में तोड़फोड़ कर उसकी इजाजत के बगैर सीसीटीव्ही कैमरे लगा दिये उसने एवं उसकी मां ने कैमरे लगाने से मना किया तो तीनों उसे एवं मां को जान से मारने की धमकी दिये।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2024/ 25/एम/243 दिनांक 04.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **कु. ताविन्दा फातिमा, पिता- इदरीस मोहम्मद** ने मकान नं. 632/ 13 **वार्ड पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड,** क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 800 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-14 दमोहनाका
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2024/ 25/एम/246 दिनांक 06.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती मालती जैन, पति श्री सुभाष चंद जै एवं श्री गौरव जैन, पिता- श्री सुभाष चंद जैन** ने मकान नं. 3036/पी 654/5 **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 3500 व.फु., भूतल 2000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-14 दमोहनाका
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 421 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री विकास जैन, पिता- स्व. श्री जितेन्द्र कुमार जैन** ने मकान नं. 1585/3 ए, सम्पत्ति पिन नं. 1000527609 **वार्ड वीरेन्द्रपुरी वार्ड ,** क्षेत्रफल 800 व.फु., भूतल 500 व.फु., **शपथपत्र, चुकतानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 420 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती खुशबू शाहनाज, पति श्री शाहिद अली** ने मकान नं. 1690, सम्पत्ति पिन नं. 1000480596 **वार्ड रानी दुर्गावती वार्ड ,** भूतल 1080 व.फु., **शपथपत्र, चुकतानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 419 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती बेबी बेगम, पति-जमील खान** ने मकान नं. 2054/33, सम्पत्ति पिन नं. 1000481252 **वार्ड रानी दुर्गावती वार्ड ,** भूतल 280 व.फु., **शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 418 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती फातिमा बी, पति- करामत खान** ने मकान नं. 1895, सम्पत्ति पिन नं. 1000499255 **वार्ड रानी दुर्गावती वार्ड ,** भूतल 900 व.फु., **शपथपत्र, चुकतानामा** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 417 दिनांक 06.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती प्रभा कोष्टा, पिता श्री अशोक कुमार कोष्टा** ने मकान नं. 80/101, सम्पत्ति पिन नं. 1000499255 **वार्ड मदन महल वार्ड ,** क्षेत्रफल 975 व.फु., भूतल 750 व.फु., प्रथमतल 750 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999